तमिलनाडु चुनाव : अब सीधा मुकाबला नहीं... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सलमान की अगली फिल्म एक्शन... 11

वर्ष - 02, अंक - 20 | गाजियाबाद / शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

चुनावी रैली में पीएम मोदी बोले

झालमुड़ी मैंने खाई, झाल उन्हें लग रही

- 4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन होगा, टीएमसी की हार ही भय की हार है

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बंगाल के मथुरापुर और कृष्णानगर में चुनावी रैली की। उन्होंने कहा- यहां पूरे बंगाल से उत्साही नागरिक आए हैं। जनता ने तय कर दिया है कि 4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन आएगा। टीएमसी हारेगी और भाजपा का भरोसा जीतेगा। महिला आरक्षण पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल की धरती मां दुर्गा को पूजती है, लेकिन टीएमसी ने महिला आरक्षण के खिलाफ वोटिंग की। यह महिलाओं का अपमान है। टीएमसी की सरकार में गुंडों और बलात्कारियों को खुला संरक्षण मिला हुआ है। बंगाल की बेटियां ये अत्याचार कभी नहीं भूल सकतीं। चुनाव प्रचार के दौरान झालमुड़ी खाने पर उन्होंने कहा- झालमुड़ी मैंने खाई है और झाल उन्हें लग रही है। मैं चुनाव आयोग का अभिवादन करता हूं कि वह बंगाल में शांतिपूर्वक चुनाव करवा पा रहे हैं। अब का मतदान सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है। मैं यहां परिवर्तन की आंधी देख रहा हूं।

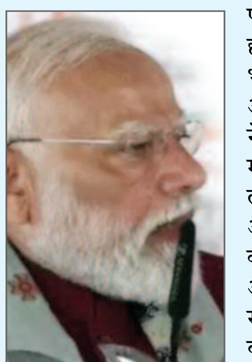

उत्तराखंड के टिहरी में बड़ा हादसा

खाई में गिरी गाड़ी, 8 लोगों की मौत

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के टिहरी में चंबा-कोटीकॉलोनी मार्ग पर नैल के पास वाहन खाई में गिर गया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने लोगों की मौत की पुष्टि की। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और राहत दल घटनास्थल पर पहुंचा। बचाव कार्य शुरू किया गया है।

2006 मालेगांव ब्लास्ट केस

बॉम्बे हाईकोर्ट ने चार आरोपियों को किया बरी, जांच एजेंसियों पर उठाए गंभीर सवाल

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2006 मालेगांव बम धमाका मामले में अहम फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया है। अदालत ने मामले की जांच पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह केस अब डेड एंड यानी ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां से सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल नजर आता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों की परस्पर विरोधी कहानियों ने पूरे मामले को उलझा दिया है।

कोर्ट ने आरोपों को रद्द करते समय क्या कहा?- हाईकोर्ट ने राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा को राहत देते हुए कहा कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अदालत ने सितंबर 2025 में विशेष अदालत द्वारा तय किए गए आरोपों को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि विशेष अदालत ने आरोप तय करते समय उपलब्ध साक्ष्यों और विरोधाभासों पर सही ढंग से विचार नहीं किया।

बंगाल में बंपर मतदान

- दोपहर 5 बजे तक बंगाल में 90 प्रतिशत तो तमिलनाडु में 82 प्रतिशत मतदान

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकतंत्र के महापर्व में गुरुवार 23 अप्रैल को पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में वोट डाले गए। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान हुआ। सभी पोलिंग बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। वहीं तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में वोट डाले जा रहे थे। दोनों राज्यों में प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच कड़ी टक्कर है।

प्रशासन ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की थी। गुरुवार को बंगाल में पहले चरण के तहत 16 जिलों की 152 सीटों पर वोट पड़े।

देश के दो प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी था। दोपहर 5 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 89.9 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जो भारी उत्साह को दर्शाता है। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर एक साथ हो रहे चुनाव में अब तक 82.4 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों राज्यों में मतदाता लंबी कतारों में खड़े अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

बंगाल के कुमारगंज में भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु सरकार को दौड़ाकर पीटा

कोलकाता/चेन्नई (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार पर हमला हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि सुवेंदु हमले से बचने के लिए भाग रहे हैं। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ है। इसके बावजूद भीड़ सुवेंदु को पीटती है। इधर, बर्नपुर के रहमतनगर इलाके में आसनसोल साउथ सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर भी हमला हुआ। इससे गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। अग्निमित्रा ने बताया कि एक मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय उनकी कार पर पत्थर फेंके गए। अग्निमित्रा ने हीरापुर पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई है। बंगाल में कई अन्य जगहों पर भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरें आ रही हैं।

बदरीनाथ धाम के कपाट भी खुले

- जय बदरीविशाल; मंदिर के कपाट खुलते ही गूंजे जयकारे

देहरादून/ बदरीनाथ (एजेंसी)। बदरीनाथ धाम में गुरुवार सुबह मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही भक्ति और उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला। बैसाख मास के शुभ अवसर पर पुनर्वसु नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्ध योग में ठीक सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के द्वार खोले गए। इस दौरान जय बदरीविशाल के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस पावन अवसर पर मौजूद थे। कपाट खुलने से पहले निर्धारित परंपराओं का पालन किया गया। तड़के चार बजे भगवान कुबेर जी का दक्षिण द्वार से प्रवेश हुआ, जिसके बाद मंदिर परिसर में धार्मिक गतिविधियां शुरू हुईं।

रावल, धर्माधिकारी और वेदपाठियों ने उद्धव जी के साथ मंदिर में प्रवेश कर विधिवत द्वार पूजन संपन्न कराया। इसके बाद तय समय पर कपाट खोल दिए गए और पूर्वाह्न 11 बजे से गर्भगृह में पूजा-अर्चना आरंभ हुई।

सबरीमाला केस, जस्टिस नागरत्ना बोलीं

वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से जानकारी नहीं चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस नागरत्ना ने यह टिप्पणी दाउदी बोहरा समुदाय की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट नीरज किशन कौल की दलील के जवाब में की थी। कौल ने कहा था कि ज्ञान और समझ, चाहे वह किसी भी सोर्स से मिली हो, उसे स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है। कौल एक अखबार में कांग्रेस सांसद डॉ. शशि थरूर के लिखे लेख का हवाला दे रहे थे।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

थरूर के आर्टिकल के जिक्र पर सीजेआई ने कहा- लेख पर्सनल ओपिनियन

मंदिर में एंट्री बैन संप्रदाय की अपनी प्रथाओं पर आधारित होती है

गुरु कृष्ण कुमार- जब कोई संप्रदाय अपने रीति-रिवाजों या सिद्धांतों के हिस्से के रूप में मंदिर में एंट्री बैन करने का दावा करता है, तो वे जाति पर आधारित नहीं होते। वे उस संप्रदाय की अपनी प्रथाओं पर आधारित होते हैं, और वे सभी व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होते हैं। यह बात महत्वपूर्ण है। इसलिए, सही नजरिया यह नहीं है कि इन्हें प्रतिबंधों के रूप में देखा जाए, बल्कि इन्हें उस संप्रदाय के सिद्धांतों या मतों से उत्पन्न होने वाले निर्देशों के रूप में समझा जाए।

अनुच्छेद 26 में धर्म से जुड़े मामलों का मैनेजमेंट संभालने का अधिकार शामिल

एडवोकेट कुमार : अब, यदि कोई अनुच्छेद 26 को बारीकी से देखे, तो उसमें साफ–साफ इंफ्रास्ट्रक्चर का एक अंतर दिखाई देता है। खंड (ए) और (बी) धार्मिक पहलुओं से जुड़े हैं। इनमें धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए संस्थाएं बनाना, उनका रखरखाव और धर्म से जुड़े मामलों में अपने कार्यों का मैनेजमेंट संभालने का अधिकार शामिल है। खंड (सी) और (डी) संपत्ति से जुड़ें हैं। इनमें संपत्ति का स्वामित्व रखने और उसे अर्जित करने, कानून के अनुसार ऐसी संपत्ति का प्रशासन करने का अधिकार शामिल है।

बंगाल सरकार बोली- भाजपा कोर्ट कार्यवाही को सोशल मीडिया पर हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई जारी है। ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश कीं। बंगाल सरकार की ओर से सीनियर एडवोक्ट मेनका गुरुस्वामी पेश हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राजनीतिक पार्टी कोर्ट की कार्यवाही को सोशल मीडिया पर हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कोर्ट से इस पर रोक लगाने की मांग की। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की रेड के बीच सीएम ममता बनर्जी के दखल को गलत बताया था।

मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा

11 की मौत, बोलेरो में 9 जिंदा जले

- बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार, कोई नहीं बचा

मिर्जापुर (एजेंसी)। यूपी के मिर्जापुर में सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इसमें बोलेरो सवार 9 लोग जिंदा जल गए। हादसा रात 9.30 बजे मिर्जापुर-रीवा नेशनल हाईवे पर हुआ।

पुलिस के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक ब्रेक फेल होने से बेकाबू हो गया। ट्रक ने आगे चल रही बोलेरो और स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। दोनों गाड़ियां आगे चल रहे एक ट्रॉले से जा टकरा गईं।

रफ्तार तेज होने की वजह से टक्कर के बाद बोलेरो उछलकर अलग हो गई। तेज धमाके के साथ उसमें आग लग गई। जबकि, स्विफ्ट कार ट्रक और ट्राले के बीच में फंस गई।

आग इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार 9 लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इसमें एक ही परिवार के 8 लोग और एक ड्राइवर था। करीब ढाई घंटे तक बोलेरो धू-धू कर जलती रही। मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए आए, लेकिन आग तेज होने की वजह से कोई पास नहीं जा पाया।

महिला आरक्षण में ‘ओबीसी कोटा’ की बड़ी तैयारी

कांग्रेस ने राहुल गांधी की मौजूदगी में बनाया नया मास्टरप्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने फैसला किया कि वह लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण में अन्य पिछड़े (ओबीसी) वर्ग के लिए कोटा सुनिश्चित करने की मांग को राष्ट्रीय स्तर पर पुरजोर तरीके से उठाएगी और इसे एक राष्ट्रीय विमर्श बनाने का प्रयास करेगी।

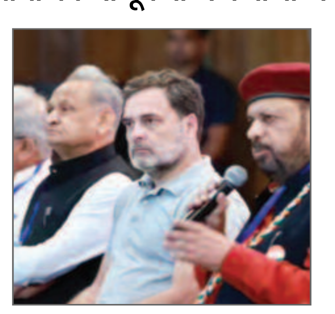

इस मांग को दोहराने की जरूरत

सूत्रों ने कहा कि नेताओं ने बताया, ‘कांग्रेस का निरंतर यही रुख रहा है और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने 2023 में संसद में नारी शक्ति वंदन विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा था कि कि ओबीसी को महिला आरक्षण कार्यान्वयन में कोटा दिया जाना चाहिए। अब इस विमर्श को दृढ़ता से आगे बढ़ाने और मांग को दोहराने की जरूरत है।

बड़े नेता हुए शमिल

कांग्रेस पार्टी के ओबीसी विभाग से संबंधित सलाहकार परिषद की बैठक में इस विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पार्टी महासचिव सचिन पायलट, ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल ‘जयहिंद’ यादव समेत कई नेता शामिल हुए।

- बिहार में सम्राट सरकार का फैसला

11 शहरों में जमीन खरीद-बिक्री पर रोक!

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने अपनी पहली ही कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में 22 प्रस्तावों को मंजूरी मिली। इनमें सबसे अहम फैसला जमीन खरीद-फरोख्त पर रोक से जुड़ा है। राज्य के 11 प्रमुख शहरों में यह प्रतिबंध लागू किया गया है। सरकार का मकसद अनियंत्रित विकास पर रोक लगाना है। साथ ही योजनाबद्ध शहरी विस्तार को बढ़ावा देना भी है।

इन शहरों में लागू हुआ प्रतिबंध- पटना, गया, मुंगेर, दरभंगा, सहरसा और पूर्णिया जैसे बड़े शहर शामिल हैं। इसके अलावा सोनपुर, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, भागलपुर और छपरा भी सूची में हैं। इन शहरों के आसपास के इलाकों में जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगी है।

अलग-अलग शहरों के लिए अलग समय सीमा

मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, भागलपुर और छपरा में रोक 30 जून 2027 तक रहेगी। वहीं पटना समेत अन्य शहरों में यह 31 मार्च 2027 तक लागू है। समय सीमा तय कर सरकार ने स्पष्ट रोडमैप दिया है। इससे प्रशासनिक प्रक्रिया में पारदर्शिता आने की उम्मीद है।

मास्टर प्लान बनने तक पूरी तरह रोक

नगर विकास विभाग के अनुसार मास्टर प्लान बनने तक प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान किसी भी तरह का निर्माण कार्य भी नहीं होगा। लैंड यूज, कोर एरिया और इंफ्रास्ट्रक्चर का खाका तैयार किया जाएगा। योजनाबद्ध तरीके से विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

सैटेलाइट सिटी प्लान से बदलेगा खेल

सरकार इन शहरों के आसपास सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करेगी। इससे भीड़भाड़ वाले शहरों का दबाव कम किया जाएगा। नए शहरों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं दी जाएंगी। यह कदम शहरीकरण को व्यवस्थित बनाने की दिशा में अहम है।

मुंबई: गोवंडी में भीषण आग का दिखा तांडव

- देखते ही देखते जलकर खाक हुईं कारें, धमाके से दहला इलाका

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के गोवंडी इलाके में आज सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब खड़ी गाड़ियां अचानक आग का गोला बन गईं। आग की चपेट में आने से कम से कम 10 कार क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड पर बैंगनवाड़ी सिग्नल के पास सुबह करीब 11:45 बजे हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में आग की लपटें इतनी भयानक थीं कि एक कार का सीएनजी सिलेंडर भी धमाके के साथ फट गया।

- राजस्थान-यूपी में सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा; मप्र में भी पारा हाई, देश के 16 शहरों में पारा 43 डिग्री के पार

देश के आधे से ज्यादा राज्यों में हीटवेव जारी

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। देश के आधे से ज्यादा राज्यों में हीटवेव जारी है। बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई शहरों में पारा 40 डिग्री से 45 डिग्री के बीच बना हुआ है। महाराष्ट्र का वर्धा और ओडिशा का झारसुगुड़ा बुधवार को 44.6 डिग्री तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। वहीं देश के 16 शहरों में पारा 43 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया।

हीटवेव को देखते हुए ओडिशा सरकार ने दोपहर के समय जनगणना प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। यानी फील्ड स्टाफ सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के दौरान सड़कों पर नहीं भटकेंगे। राजस्थान और यूपी में ठंडक के लिए सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा है। बीकानेर, ग्वालियर के जू में जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर लगाए गए हैं। इधर, दिल्ली के स्कूलों में वॉटर बेल सिस्टम लागू किया जाएगा। हर 45 से 60 मिनट में घंटी बजाई जाएगी, ताकि छात्रों को पानी पीने की याद दिलाई जा सके और डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके। मौसम विभाग ने प्रदेश में 24 अप्रैल से हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में गर्म हवाओं के थपेड़े जारी थे। खजुराहो सबसे गर्म था, पारा 43.4 डिग्री था, 19 जिलों में आज लू का अलर्ट जारी किया। वहीं बिहार-बक्सर में 44.4 डिग्री पहुंचा तापमान पहुँच गया, 10 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया।

संक्षिप्त समाचार

हिंदू समाज को अलग-अलग संप्रदायों में बंटने के बजाय एकजुट होना चाहिए : जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की संविधान पीठ ने बुधवार को कहा कि किसी धार्मिक

संप्रदाय की किसी खास प्रथा को जरूरी या गैर-जरूरी घोषित करने के लिए कोई एक तय नियम या सार्वभौमिक दिशा-निर्देश बनाना कोर्ट के लिए बहुत मुश्किल है। पीठ ने कहा कि ऐसा इसलिए, क्योंकि हर धर्म की अपनी अनूठी परंपराएं होती हैं। पीठ ने यह भी कहा कि हिंदू समाज को अलग-अलग संप्रदायों में बंटने के बजाय एकजुट होना चाहिए, नहीं तो वह कमजोर हो जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली संविधान पीठ ने कहा कि यदि कोई खास हिंदू धार्मिक संप्रदाय कुछ प्रथाओं का पालन करता है तो उन सभी को जरूरी धार्मिक प्रथाएं नहीं कहा जा सकता, यदि वे नैतिकता, सार्वजनिक व्यवस्था और स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। पीठ ने केरल के सबरीमाला मंदिर सहित विभिन्न धर्मों और संप्रदायों के धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और प्रवेश पर प्रतिबंध से जुड़े मुद्दों पर 7वें दिन की बहस के दौरान यह टिप्पणी की है। पीठ ने कहा, संविधान के तहत किसी भी धर्म के किसी खास संप्रदाय की धार्मिक प्रथा तब तक सुरक्षित है, जब तक वे नैतिकता, सार्वजनिक व्यवस्था के खिलाफ न हों। जस्टिस वीबी नागरत्ना ने कहा कि 'अगल-अलग संप्रदायों में बंटने के बजाय हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे हमारे मंदिर नहीं आ सकते, हम उनके मंदिर में नहीं जा सकते, इस तरह की सोच सही नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कोई संप्रदाय अपने मंदिर को दूसरों के लिए नहीं खोलता है तो वह कमजोर हो जाएगा। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम ने पीठ द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा, राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारियां जरूरी हैं, पर धर्म व विवेक की आजादी भी जरूरी है। अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत किसी कानून को सख्ती से पढ़ा जाना चाहिए। सुधार की जरूरत और हासिल किए जाने वाले मकसद के बीच एक स्पष्ट जुड़ाव होना चाहिए।

रामअवतार जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी को राहत, उम्रकैद की सजा पर सुप्रीम कोर्ट से स्टे

नई दिल्ली/रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के चर्चित रामअवतार जग्गी हत्याकांड से जुड़े मामले में उम्रकैद की सजा पा चुके पूर्व विधायक अमित जोगी को फौरी

राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी उम्रकैद की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है। जस्टिस जेजे विक्रम नाथ, संदीप मेहता और विजय बिश्नोई की बेंच ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान यह राहत दी। इससे पहले सोमवार को भी उच्चतम न्यायालय में अहम सुनवाई हुई थी। इस मामले में दो याचिकाएं दाखिल की गई थीं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने क्लब कर दिया था। सुनवाई के दौरान एक याचिका हाईकोर्ट के आदेश के तहत सरेंडर पर रोक से संबंधित थी, जिसे चैंबर में दाखिल किया गया था, जबकि दूसरी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की दो नंबर बेंच में विचार हुआ। सोमवार को अदालत ने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर सरेंडर से जुड़ी किसी भी प्रकार की अंतरिम राहत नहीं दी जाएगी और संबंधित आवेदन पर निर्णय चैंबर जज द्वारा किया जाएगा। यह मामला वर्ष 2003 में हुई एनसीपी नेता रामअवतार जग्गी की हत्या से जुड़ा है। चार जून 2003 को उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में कई आरोपियों को दोषी ठहराया गया था, जबकि निचली अदालत ने वर्ष 2007 में अमित जोगी को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया था। बाद में इस फैसले को चुनौती देते हुए अपील की गई, जिसके चलते मामला उच्च न्यायालय और फिर सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा।

दिल्ली में बीजेपी ने एक और 'प्रवेश' को दिया बड़ा मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी ने गुरुवार को एमसीडी मेयर पद के उम्मीदवार का एलान कर दिया है। पार्टी ने प्रवेश

वाही पर भरोसा जताया है। प्रवेश मौजूदा समय में प्रवेश वाही नेता सदन हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार न उतारने से बीजेपी का अगला मेयर बनना तय है। वहीं कांग्रेस और अन्य पार्टी के पास इतना संख्या बल नहीं कि वे बीजेपी को चुनौती दे सकें।

बद्रीनाथ धाम में आस्था का माहौल, देश-विदेश से श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

चमोली , एजेंसी। उत्तराखंड की पवित्र धरती पर इस समय माहौल पूरी तरह भक्तिमय और उत्साह से भरा हुआ है। गुरुवार को बद्रीनाथ धाम के कपाट विधिवत रूप से खोल दिए गए। इसके बाद से हजारों श्रद्धालु देश-विदेश से यहां पहुंच रहे हैं और हर तरफ आस्था, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि अब चारों धाम (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ) के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी धामों में यात्रियों के लिए पूरी व्यवस्था की गई है, ताकि किसी को किसी तरह की परेशानी न हो। सीएम ने बताया कि इस बार यात्रा शुरू होने से पहले और पिछले सालों में लगातार बर्फबारी होती रही, लेकिन इसके बावजूद सरकार और प्रशासन ने सभी इंतजाम समय रहते पूरे कर लिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पूरा उत्तराखंड तैयार है। चाहे सड़क हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों, रहने की व्यवस्था हो या सुरक्षा, हर जगह प्रशासन पूरी मेहनत से काम कर रहा है। आने वाले सभी भक्तों का स्वागत और अभिनंदन है और उम्मीद है कि सभी की यात्रा सुखद और सफल होगी।

सीएम धामी ने बद्रीनाथ धाम का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि यह भगवान बद्री विशाल की पवित्र नगरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022

में इस धाम के विकास के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करवाया था, जिस पर तेजी से काम चल रहा है। अब बद्रीनाथ धाम का स्वरूप धीरे-धीरे बदल रहा है और इसे 'भव्य बद्री, दिव्य बद्री' के रूप में विकसित किया जा रहा है। हालांकि, इसके साथ ही इसकी धार्मिक पवित्रता और मूल स्वरूप को पूरी तरह सुरक्षित रखा जा रहा है।

उन्होंने माणा गांव का भी उल्लेख किया, जिसे पहले भारत का अंतिम गांव कहा जाता था। सीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री खुद यहां आ चुके हैं और इसके बाद इस गांव का तेजी से विकास हुआ है। अब इसे 'पहला गांव' के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां की मातृशक्ति ने भी कमाल का काम किया है और वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देते हुए कई महिलाएं आज 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। सीएम ने श्रद्धालुओं से यह भी अनुरोध किया कि वे केवल चारधाम तक ही सीमित न रहें, बल्कि आसपास के धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों का भी भ्रमण करें। उन्होंने कहा कि यह पूरा क्षेत्र केवल यात्रा का स्थान नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। यहां आकर व्यक्ति को एक अलग ही अनुभव मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि हिमालय पूरे देश का आध्यात्मिक मंच है, जहां से निकली बातें पूरे देश और दुनिया में जाती हैं। इसलिए यहां आकर व्यक्ति को जीवन का वास्तविक अर्थ समझने का अवसर मिलता है। इसी बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने भी बद्रीनाथ पहुंचे। उन्होंने कहा कि देवताओं ने एक बार फिर मनुष्यों को भगवान के मंदिर में पूजा करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि यह मनुष्य जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य है कि हमें भगवान के निजी निवास में पूजा का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि आज सुबह सवा 6 बजे विधि विधान के साथ भगवान बद्रीनाथ के कपाट खोले गए। अब चारों धाम के कपाट खुल चुके हैं और श्रद्धालु दर्शन के लिए आ सकते हैं। उन्होंने देशभर के श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि यदि मन में यात्रा की इच्छा हो तो उसे दबाएं नहीं, बल्कि पूरी तैयारी के साथ आएं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यह यात्रा केवल भौतिक आनंद के लिए नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शांति और अनुभव के लिए है। यहां आकर व्यक्ति को संयम, श्रद्धा और भक्ति के साथ दर्शन करना चाहिए। उन्होंने हिमालय को पूरे देश का मंच बताते हुए कहा कि यहां से निकली हर बात दूर तक जाती है, इसलिए यहां का अनुभव बहुत गहरा होता है।

पांडु क्षेत्र की महिला मंगल दल अध्यक्ष बिना पवार ने बताया कि बद्रीनाथ धाम के कपाट छह महीने के लिए खुले हैं। हर साल की तरह इस बार भी कपाट खुलने का इंतजार बड़े उत्साह से किया गया। इसी तरह संगीता मेहता ने बताया कि यह दिन उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि कपाट खुलने के अवसर पर उन्होंने महिला मंगल दल के साथ मिलकर भजन, कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम किए। उन्होंने बताया कि यह परंपरा हर साल श्रद्धा के साथ निभाई जाती है।

10,000 रुपए हो सकती है पेंशन, सरकार कर रही विचार, इन लोगों को होगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार इनफॉर्मल वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने की योजना बना रही है। बढ़ती महंगाई और रिटायर लोगों के बढ़ते खर्च को देखते हुए, सरकार अटल पेंशन योजना के तहत दी जाने वाली न्यूनतम पेंशन की अपर लिमिट को बढ़ाकर 10,000 रुपए प्रति माह करने पर विचार कर रही है। मिंट ने यह जानकारी तीन अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर दी है।

बता दें भारत में नफॉर्मल वर्कर्स वे श्रमिक हैं, जो असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। यहां नौकरी की सुरक्षा, फिक्स्ड सैलरी, या सामाजिक सुरक्षा (पीएफ, पेंशन, छुट्टी) का अभाव होता है। ये देश के कुल वर्कफोर्स का लगभग 90% हिस्सा हैं, जिनमें रेहड़ी-पटरी वाले, घरेलू कामगार, मजदूर और स्वरोजगार करने वाले शामिल हैं।

क्यों जरूरी है यह बदलाव : अटल पेंशन योजना मई 2015 में शुरू की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, किसानों, दुकानदारों और छोटे व्यवसायियों को बुढ़ापे में आर्थिक सहारा देना है। अभी इस योजना के तहत 60 साल की उम्र के बाद 1,000 से 5,000 रुपए प्रति माह तक की गारंटीड पेंशन दी जाती है। लेकिन बढ़ती कीमतों के कारण यह राशि कम पड़ रही है।

मौजूदा हालात क्या हैं : अटल पेंशन योजना में अब तक 9 करोड़ से अधिक सदस्य जुड़ चुके हैं, लेकिन इनमें से लगभग आधे सदस्य नियमित योगदान देना बंद कर चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक के सबसे ज्यादा 1.35 करोड़ नए सदस्य जुड़े हैं। सरकार का मानना है कि पेंशन की लिमिट बढ़ाने से नए सदस्य जुड़ेंगे और पुराने सदस्य योजना में बने रहेंगे।

नया प्रस्ताव क्या है : वित्त मंत्रालय और पेंशन फंड नियामक मिलकर इस प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं। संभावना है कि पेंशन की अपर लिमिट 8,000 से 10,000 प्रति माह कर दी जाए।एक अधिकारी ने बताया , 'यह बदलाव योजना को और आकर्षक बनाएगा और बढ़ती जीवन-लागत के अनुसार ढलेगा।

सरकार का कितना योगदान : जो सदस्य 31 मार्च 2016 से पहले जुड़े थे, उन्हें शुरुआती पांच साल में सरकार की तरफ से को-कंट्रीब्यूशन मिलता था। यह रकम सदस्य के योगदान का 50% (अधिकतम 1,000 प्रति वर्ष) थी। यह सुविधा केवल उन्हीं को मिलती थी, जो इनकम टैक्स का भुगतान नहीं करते थे और किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजना से नहीं जुड़े थे।

केंद्र ने पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने वाली रिपोर्ट्स को खारिज किया, कहा-ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि वर्तमान में चल रहे विधानसभा चुनावों के बाद, देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 25-28 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। इसे फेक न्यूज बताते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। यह स्पष्ट किया जाता है कि सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

इस तरह की खबरें नागरिकों में भय और दहशत पैदा करने के उद्देश्य से फैलाई जाती हैं और ये शरारतपूर्ण और भ्रामक होती हैं। पोस्ट में अंत में लिखा, 'भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पिछले चार वर्षों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है। भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों में होने वाली तीव्र वृद्धि से बचाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं।' इससे पहले दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में बुधवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और लोगों से अपील की है कि पेट्रोल-डीजल या गैस की जल्दबादी में खरीदारी न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। सरकार के मुताबिक, देश भर में घरेलू एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। 23 मार्च 2026 से अब तक 20 लाख से ज्यादा 5 किलो वाले छोटे गैस सिलेंडर (एफटीएल) बेचे जा चुके हैं, जो खासकर प्रवासी मजदूरों के लिए राहत का काम कर रहे हैं। सरकार ने इन सिलेंडरों की सप्लाई भी दोगुनी कर दी है ताकि जरूरतमंदों तक आसानी से गैस पहुंच सके। पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) के विस्तार पर भी तेजी से काम हो रहा है। मार्च 2026 से अब तक करीब 5.10 लाख नए कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं और 2.56 लाख अतिरिक्त कनेक्शन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो चुका है।

आप ने खाली छोड़ा मैदान, दिल्ली में क्यों भाजपा को दिया बिना लड़े जीत का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सत्ता गंवा देने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) राजधानी की 'छोटी सरकार' यानि दिल्ली नगर निगम से भी दूर हो चुकी है। पिछले एमसीडी चुनाव में बहुमत हासिल करने वाली 'आप' के हालात इन दिनों ऐसे हैं कि लगातार दूसरे साल पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बिना लड़े जीत का मौका दे दिया है। पंजाब, गुजरात से गोवा तक में विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने इस साल भी दिल्ली में मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव के लिए उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है। दोनों पदों के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग होगी।

आप के पार्षद और विपक्ष के नेता अंकुश नारंग ने कहा, 'हम प्रयास करते तो संख्याबल जुटा सकते थे। कुछ पार्षद मौजूदा व्यवस्था से नाखुश हैं। लेकिन दूसरे दलों की तरह हॉर्स ट्रेडिंग (वोट खरीद-फरोख्त)करने से फायदा नहीं है।' बुधवार को एक पार्टी की

बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। पार्टी ने तीन में से केवल एक रिक्त स्टैंडिंग कमिटी के लिए नामांकन दाखिल किया है। पार्टी को उम्मीद है कि इस सीट पर वह जीत हासिल कर सकती है।

नारंग ने कहा, 'एक बार फिर हमने भाजपा को ना सिर्फ मेयर बल्कि स्टैंडिंग कमिटी का चेयरमैन बनाने का मौका दिया है, क्योंकि पार्टी किसी भी तरह कमिटी में बहुमत हासिल करने की कोशिश करेगी।'आम आदमी पार्टी ने शालीमार बाग से पार्षद जलज चौधरी को कमिटी के लिए उतारा है। नारंग ने कहा कि चौधरी अनुभवी नेता हैं और लंबे समय से इलाके की समस्याओं को उठाते रहे हैं।

मेयर-डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमिटी के लिए 5 पदों पर चुनाव मेयर और डिप्टी मेयर के अलावा स्टैंडिंग कमिटी के तीन सदस्यों के लिए भी 29 अप्रैल को ही वोटिंग होगी। 31 मार्च को भाजपा के 6 और आप के तीन प्रतिनिधि 18 सदस्यीय समिति से रिटायर हो गए थे। छह सीटों के लिए चुनाव संबंधित जोन में होंगे जहां के प्रतिनिधियों का कार्यकाल खत्म हुआ है, जबकि तीन का निर्वाचन सदन में होगा। शेष 9 सदस्यों में भाजपा के पांच और आप के चार सदस्य हैं। बुधवार को भाजपा ने भी एक बैठक करके आगामी चुनाव पर मंथन किया। मेयर पद के लिए भाजपा ने बेगमपुर से पार्षद जय भगवान यादव, महिपालपुर के इंद्रजीत सहरावत और मौजूदा मेयर राजा इकबाल सिंह पर विचार किया। एक तरफ जहां आम आदमी पार्टी ने मैदान छोड़ने का फैसला किया तो कांग्रेस ताल ठोंकने का दमखम दिखा रही है। कांग्रेस ने मेयर और डिप्टी मेयर दोनों पदों के लिए उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। सदन में 250 सीटों में से भाजपा के 123 और आम आदमी पार्टी के 100 पार्षद हैं। 15 पार्षद इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी से हैं। यह गुट आप से अलग हुआ था। कांग्रेस के 9 पार्षद हैं जबकि एक फॉर्वर्ड ब्लॉक और एक निर्दलीय है।

उम्रकैद पर्याप्त नहीं, यासीन मलिक को मौत की सजा मिले; एनआईए की दिल्ली हाईकोर्ट से मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक की आजीवन कारावास की सजा को मृत्युदंड (फांसी) में बदलने की अपनी मांग को पुरजोर तरीके से दोहराया। एनआईए ने स्पष्ट किया कि बड़े राजनेताओं या नौकरशाहों के नाम लेने मात्र से मलिक के आतंकी संबंध और उसके द्वारा किए गए अपराध कम नहीं हो जाते। एनआईए ने कोर्ट में दाखिल अपने रिज्वाइंडर में कहा कि जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट का प्रमुख कई आतंकवादी संगठनों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ था। एनआईए के अनुसार, मलिक के संबंध लश्कर-ए-तैयबा के सह-संस्थापक हाफिज सईद और हिजबुल मुजाहिदीन के प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन जैसे पाकिस्तान स्थित आतंकियों से रहे हैं। एजेंसी ने दावा

किया कि मलिक भारत विरोधी नैरेटिव फैलाने और जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, सीनेटरों और मुख्यमंत्रियों के संपर्क में था। एनआईए ने दलील दी कि मलिक ने सहानुभूति और लोकप्रियता हासिल करने के लिए राजनेताओं, मीडियाकर्मियों और विदेशी प्रतिनिधियों के नामों का सहारा लिया। एजेंसी ने जोर देकर कहा कि यह मामला भावनात्मक कहानी पर नहीं, बल्कि ठोस सबूतों पर आधारित है।

यासिन मलिक ने लिए थे बड़े नेताओं के नाम : इससे पहले, तिहाड़ जेल से वर्चुअली पेश हुए यासीन मलिक ने 85 पन्नों का एक हलफनामा दायर किया था। इसमें उसने दावा किया था कि उसने लगभग तीन दशकों तक राज्य समर्थित बैकचैनल के माध्यम से काम किया। उसने पूर्व प्रधानमंत्रियों, खुफिया प्रमुखों और व्यापारिक हस्तियों के साथ बैठकें करने का हवाला देते हुए खुद को कश्मीर में शांति स्थापना में सहायक बताया था। एनआईए ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि मलिक ने स्वयं स्वीकार किया है कि वह जेकेएलएफ का 'कमांडर-इन-चीफ' था और सलाहुद्दीन जैसे आतंकियों से उसके संबंध थे। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने एनआईए के जवाब को रिकॉर्ड पर ले लिया है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि एनआईए के जवाब की एक प्रति यासीन मलिक को उपलब्ध कराई जाए। एजेंसी ने यह भी तर्क दिया कि दोषसिद्धि के बाद अब मलिक उन मुद्दों को दोबारा नहीं उठा सकता जिन्हें उठाने का उसके पास ट्रायल के दौरान पर्याप्त अवसर था।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने 24 मई, 2022 को यासीन मलिक को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (IPC) की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। एनआईए का मानना है कि मलिक के अपराधों की गंभीरता को देखते हुए यह सजा पर्याप्त नहीं है और वह मृत्युदंड का पात्र है।

पश्चिम बंगाल में 92% रिकॉर्ड मतदान, क्या ममता बनर्जी के लिए खतरे की घंटी?

अरणि गौड़

नई दिल्ली (शिखर समाचार) पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान ने राज्य की राजनीति को पूरी तरह से गर्म कर दिया है। करीब 91.78% से लेकर 92% के आसपास दर्ज हुई वोटिंग स्वतंत्रता के बाद अब तक की सबसे ज्यादा मानी जा रही है।

मतदान के दौरान लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से भी ज्यादा रही, जो इस चुनाव की एक अहम विशेषता है। लेकिन इस भारी मतदान के पीछे सिर्फ उत्साह ही नहीं, बल्कि कई गहरे कारण भी सामने आ रहे हैं, जो इस चुनाव को खास बनाते हैं।

सबसे बड़ा असर चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) प्रक्रिया का माना जा रहा है। इस प्रक्रिया के तहत लाखों मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जिससे कुल मतदाता संख्या कम हुई, लेकिन मतदान प्रतिशत बढ़ गया। आंकड़ों के मुताबिक करीब 91 लाख नाम हटाए गए और लाखों नए मतदाता जोड़े गए।

इसके अलावा एक बड़ा कारण प्रवासी मतदाताओं की वापसी भी रहा। देश के अलग-अलग शहरों में काम करने वाले लोग बड़ी संख्या में बंगाल लौटे और मतदान किया। उन्हें डर था कि अगर उन्होंने वोट नहीं किया तो उनका नाम सूची से हट सकता है या भविष्य में नागरिकता से जुड़े सवाल खड़े हो सकते हैं।

सुरक्षा व्यवस्था ने भी मतदान को प्रभावित किया। इस बार बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की गई, जिससे मतदान केंद्रों पर लोगों को सुरक्षित माहौल मिला और उन्होंने खुलकर वोट किया।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह रिकॉर्ड मतदान ममता बनर्जी की सरकार के लिए खतरे का संकेत है। आमतौर पर ज्यादा मतदान को सत्ता विरोधी लहर के रूप में देखा जाता है, लेकिन हाल के चुनावों में यह धारणा पूरी तरह सही साबित नहीं हुई है। कई राज्यों में भारी मतदान के बावजूद सत्तारूढ़ सरकारें दोबारा सत्ता में लौटी हैं।

पश्चिम बंगाल में भी यही स्थिति बनती दिख रही है, जहां दोनों प्रमुख दल तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी इस भारी मतदान को अपने अपने पक्ष में बता रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इतनी बड़ी भागीदारी यह जरूर दिखाती है कि जनता इस बार बेहद गंभीर और सक्रिय है, लेकिन इससे यह तय नहीं किया जा सकता कि सत्ता परिवर्तन होगा या नहीं।

फिलहाल इतना साफ है कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव बेहद दिलचस्प और कांटे का हो गया है। रिकॉर्ड मतदान ने मुकाबले को और भी अनिश्चित बना दिया है। अब सबकी नजरें नतीजों पर टिकी हैं, क्योंकि वही तय करेंगे कि यह भारी वोटिंग ममता बनर्जी की कुर्सी को मजबूत करेगी या उनके लिए खतरे की घंटी साबित होगी।

अब तक 26 लाख खुद भर चुके जनगणना में डिटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना की प्रकिया शुरू हो गई है। अब यह जानकारी सामने आई है कि जनगणना अभियान के पहले चरण के दौरान करीब 26 लाख से अधिक परिवारों ने स्व-गणना सुविधा का फायदा उठाया है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल ने बुधवार को यह जानकारी दी है। रजिस्ट्रार जनरल ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि ये आंकड़े जनगणना 2027 के लिए डिजिटल पहल में बढ़ती भागीदारी दर्शाते हैं।

रजिस्ट्रार जनरल ने कहा है कि 'ऑनलाइन जानकारी देने का विकल्प चुनकर, इन परिवारों ने राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का एक तेज, स्मार्ट और अधिक सुविधाजनक तरीका अपनाया है। उन्होंने आगे बताया कि जनगणना के पहले चरण के तहत घरों की सूची बनाने और गिनती के लिए स्व-गणना सुविधा वर्तमान में कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जारी है।

जनगणना का पहला चरण शुरू : गौरतलब है कि यह स्वतंत्रता के बाद से की जाने वाली आठवीं जनगणना है, और यह दो चरणों में आयोजित की जा रही है। पहला चरण आवास सूचीकरण और आवास गणना के रूप में जाना जाता है, जिसमें घरों की सूची बनाई जाती है और दूसरे चरण में जनसंख्या गिनी जाती है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में घरों की गिनती के लिए क्षेत्र भ्रमण 16 अप्रैल से शुरू हो गए हैं। इसके तहत देशभर में सभी संरचनाओं, घरों और परिवारों की सूची बनाई जाएगी।

पहली बार डिजिटल जनगणना : पहली बार, जनगणना की प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से हो रही है। सरकार ने इसके लिए एक सुविधा शुरू की है, जिसमें लोग अपने परिवार की पूरी जानकारी ऑनलाइन खुद भर सकेंगे। इस सुविधा

को सेल्फ-एन्यूमरेशन कहा जा रहा है। इसके जरिए लोग सरकारी अधिकारियों के घर आने से पहले ही अपनी डिटेल ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। प्रक्रिया का मकसद डेटा कलेक्शन को तेज और आसान बनाना है। अधिकारियों के अनुसार ज्यादातर लोग इस प्रक्रिया को 15 से 20 मिनट में पूरा कर सकेंगे।

क्या है सेल्फ एन्यूमरेशन : सेल्फ-एन्यूमरेशन एक ऑनलाइन सिस्टम है, जिसमें परिवार खुद अपनी जनसंख्या, सामाजिक और आर्थिक जानकारी सरकारी पोर्टल पर भर सकता है। इससे मैन्युअल डेटा कलेक्शन की जरूरत कम होगी और पूरी जनगणना प्रक्रिया ज्यादा व्यवस्थित और तेज होगी। डिजिटल सेल्फ-एन्यूमरेशन सिस्टम देश में जनगणना प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसका मकसद डेटा की सटीकता बढ़ाना, कागजी काम कम करना और लोगों के लिए इस प्रक्रिया को ज्यादा आसान और सुविधाजनक बनाना है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए लोगों को पोर्टल पर जाना होगा। वहां अपने राज्य का चयन करना होगा। इसके बाद परिवार के मुखिया के नाम और मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करना होगा।

गाजियाबाद का कायाकल्प: ₹1580 करोड़ की मेगा परियोजनाओं से बदलेगी शहर की तस्वीर, जीडीए का विजन डॉक्यूमेंट जारी

आरव शर्मा

गाजियाबाद(शिखर समाचार)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रमुख शहर गाजियाबाद को आधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने की दिशा में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्राधिकरण ने अर्बन चैलेंज फंड के तहत कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया है। इन योजनाओं का उद्देश्य शहर की आधारभूत संरचना को मजबूत करने के साथ ही इसे खेल, आवास और यातायात के क्षेत्र में एक नए मुकाम पर ले जाना है।

शहर को मिलेंगी ये बड़ी सौगातें:

अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम (राजनागर एक्सटेंशन)

गाजियाबाद को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर लाने के लिए राजनगर एक्सटेंशन में ₹680 करोड़ की लागत से अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला क्रिकेट स्टेडियम बनेगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के साथ मिलकर विकसित होने वाला यह स्टेडियम न केवल बड़े क्रिकेट मैचों का गवाह बनेगा, बल्कि खेल पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा।

तुलसी निकेतन का कायाकल्प

वर्ष 1989-90 में विकसित वाजीराबाद स्थित तुलसी निकेतन आवासीय योजना अब जर्जर हो

चुकी है। जीडीए ने इसे पुनर्विकसित करने के लिए ₹600 करोड़ का प्रस्ताव रखा है। इस परियोजना से आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के निवासियों को आधुनिक और सुरक्षित आवास उपलब्ध हो सकेंगे।

चौधरी मोड़ पर लगेगा फ्लाईओवर

जीटी रोड स्थित चौधरी मोड़ पर भारी ट्रैफिक जाम की समस्या को खत्म करने के लिए ₹200 करोड़ की लागत से 2 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। इससे यातायात सुगम होगा और प्रदूषण व दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

आरडीसी में मल्टी-लेवल पार्किंग

राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर में पार्किंग की किल्लत को दूर करने के लिए ₹100 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक मल्टी-लेवल कार पार्किंग का निर्माण प्रस्तावित है, जो व्यावसायिक गतिविधियों को गति देगा।

मॉडल सिटी' बनाने का लक्ष्य

परियोजनाओं पर जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने कहा कि प्राधिकरण का लक्ष्य गाजियाबाद को केवल एनसीआर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाए रखना नहीं, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक 'मॉडल सिटी' के रूप में विकसित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये परियोजनाएं गाजियाबाद के भविष्य को एक नई दिशा देंगी और नागरिकों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार सुनिश्चित करेंगी। जीडीए की इन समन्वित कोशिशों को शहर के लिए एक 'गेम चेंजर' माना जा रहा है, जिससे गाजियाबाद निवेश और आधुनिक जीवनशैली के लिए एक आकर्षक केंद्र बनकर उभरेगा।

सीडीओ की अध्यक्षता में प्राक्कलन समिति की तैयारी बैठक आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की प्राक्कलन समिति वर्ष 2025-26 की प्रथम उपसमिति की बैठक 24 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) को प्रातः 10:00 बजे जनपद गाजियाबाद स्थित दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में आयोजित की जाएगी। उक्त बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति मुकेश चौधरी द्वारा की जाएगी, जिसमें जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श एवं स्थलीय निरीक्षण प्रस्तावित है।

बैठक के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी, गाजियाबाद को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इस क्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ पूर्व तैयारी बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्य

विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रस्तावित बैठक के दौरान पंचायत, नगर विकास, राजस्व, कृषि, स्वास्थ्य, परिवहन, गृह एवं ऊर्जा आदि विभागों के कार्यों तथा बजट से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। अतः सभी विभाग अपने-अपने लंबित प्रकरणों, विकासात्मक कार्यों की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट तथा आवश्यक अभिलेख पूर्ण रूप से तैयार रखें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विगत वर्षों की प्रगति का समुचित विवरण तथ्यों एवं आंकड़ों सहित व्यवस्थित रूप में संकलित कर प्रस्तुत किया जाए, ताकि समिति के समक्ष प्रभावी एवं सुव्यवस्थित प्रस्तुतीकरण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह निर्धारित समयावधि में समस्त तैयारियां पूर्ण करते हुए बैठक को सफलतापूर्वक संपन्न कराना सुनिश्चित करें।

सब रजिस्ट्रार कार्यालय के बाहर वकीलों का धरना, रजिस्ट्रियों का काम ठप

मोदीनगर। (शिखर समाचार) सब रजिस्ट्रार कार्यालय के अधिकारियों पर कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए वकीलों ने कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इस विरोध के चलते पूरे दिन एक भी रजिस्ट्री नहीं हो सकी, जिससे सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ा। बार एसोसिएशन मोदीनगर के बैनर तले वकील, बैनामा लेखक संघ के सदस्यों के साथ सब रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंचे और वहीं धरने पर बैठ गए। बार अध्यक्ष जगबीर सिंह और सचिव नकुल त्यागी ने आरोप लगाया कि कार्यालय में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कार्यों में अनियमितता बरती जा रही है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वकीलों की प्रमुख मांगों में यह शामिल रहा कि लखनऊ से प्रतिदिन जितने टोकन आवंटित किए जाते हैं, उतनी ही रजिस्ट्रियां हर हाल में की जाएं, भले ही इसके लिए कार्य समय

बढ़ाकर शाम तक काम करना पड़े। उन्होंने व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई।

दिनभर चले इस धरने के कारण कार्यालय का कामकाज पूरी तरह ठप रहा। शाम को धरना दे रहे वकीलों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बैठक आयोजित की गई, जिसमें उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह, स्टांप अपर आयुक्त पुष्पेंद्र यादव और तहसीलदार रजत सिंह मौजूद रहे। बैठक के दौरान वकीलों ने स्टांप अपर आयुक्त को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। इस पर अपर आयुक्त ने मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया। एडवोकेट राजकुमार गुप्ता ने स्पष्ट कहा कि जब तक मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक धरना अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा।

धरने में विशाल शर्मा, नितिन कुमार, कार्तिक त्यागी, राजकुमार चौधरी, राकेश कुमार और सौरभ मुद्गल सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2026 : डीएम ने एडिशनल सीपी के साथ किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रस्तावित होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ ने एडिशनल सीपी केशव कुमार चौधरी के साथ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने सेठ मुकंद लाल इंटर कॉलेज व एमबी गर्ल्स इंटर कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गाजियाबाद में परीक्षा के लिए 20 केंद्रों बनाए गए है, जिसमें लगभग 46 हजार अभ्यर्थियों के सम्मिलित होने की संभावना है। परीक्षा का आयोजन 25, 26 एवं 27 अप्रैल को प्रतिदिन दो पालियों में की जाएगी। परीक्षा प्रातः 10 बजे से 12 बजे और 3 बजे से 5 बजे तक होगी।

परीक्षा के सुचारु संचालन हेतु केंद्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, वेंटिलेशन, स्वच्छता,

शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने हेतु एडीएम एवं एसडीएम स्तर के अधिकारियों को भी जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिये कि परीक्षाओं को नकलविहीन सूचितापूर्ण तरीके से सम्पन्न कराया जाएं और कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि कंट्रोल रूम/ स्ट्रांग रूम की स्थापना कर दी गई है तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरें स्थापित किए गए हैं। एडिशनल सीपी केशव कुमार चौधरी ने जानकारी दी कि सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस द्वारा पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) कराया जा चुका है। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है तथा अभ्यर्थियों के आवागमन मार्गों पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परीक्षा की शुचिता बनाए रखने हेतु असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी सतत निगरानी की जा रही है। किसी भी प्रकार से परीक्षा प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बताते चलें कि एमबी गर्ल्स इंटर कॉलेज में भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना हेतु 3 दिवसीय सुपरवाइजर/प्रगणक का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है, जो कि प्रथम बैच 22 से 24 अप्रैल 2026, द्वितीय बैच 28 से 30 अप्रैल 2026 व तृतीय बैच 1 से 4 मई 2026 को, समय 9:30 से सांय 6:00 बजे तक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रस्तरीय कार्य है, जिसकी सफलता प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की जिम्मेदारी पर निर्भर करती है। निरीक्षण के दौरान एडीएम सिटी विकास कश्यप, एसडीएम अरूण दीक्षित, डीआईओ योगेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, डीएम एसपी ने केंद्रों का किया निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में आगामी 25, 26 व 27 अप्रैल को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती लिखित परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। इसके तहत जनपद में विभिन्न परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

बुधवार को जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने केंद्रों पर पहुंचकर बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, बिजली आपूर्ति और सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया और निगरानी प्रणाली को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं समय से पहले सुनिश्चित की जाएं। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश जारी करते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जीडीए की सख्ती : अवैध कॉलोनियों और निर्माण पर चला बुलडोजर, करोड़ों की भूमि को अतिक्रमण से कराया मुक्त

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने शहर में पनप रही अवैध प्लाटिंग और अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ आज बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण के जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत प्रवर्तन जोन 01 और जोन 02 के क्षेत्रों में विशेष दस्ता पहुँचा और अवैध रूप से विकसित किए जा रहे निर्माणों को जमींदोज कर दिया। प्राधिकरण की इस कड़ी कार्रवाई से भू माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

जोन 01 में ताबड़तोड़ कार्रवाई

प्रवर्तन जोन 01 के नेतृत्व में आज कई स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। टीम ने ढरगल गाँव (नियर खेतान स्कूल) में सनी शर्मा द्वारा लगभग 5000 वर्ग मीटर के बड़े क्षेत्रफल में की गई अवैध प्लाटिंग, बिजली के खंभों और बाउण्ड्रीवॉल को ध्वस्त कर दिया। वहीं, मोरटा गाँव में रैपिड रेल पिलर संख्या 660-661

के सामने रवि अग्रवाल द्वारा खसरा संख्या 1133 पर किए गए लगभग 500 वर्ग मीटर के अवैध निर्माण को भी प्राधिकरण के बुलडोजर ने पूरी तरह ढहा दिया। इसके अलावा, नूरनगर गाँव में सुकरमा देवी द्वारा खसरा संख्या 467मि0 पर अवैध रूप से संचालित धर्म कांटे के विरुद्ध सीलिंग की कार्रवाई की गई।

जोन 02 में 18 बीघा अवैध कॉलोनी जमींदोज

प्रवर्तन जोन 02 की टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 18 बीघा जमीन पर विकसित की जा रही एक पूरी अवैध कॉलोनी को निशाना बनाया। यहां कॉलोनाइजर द्वारा नियम विरुद्ध बनाई गई सड़कों, बाउण्ड्रीवॉल और साइट ऑफिस को प्राधिकरण के दस्ते ने ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही, यहाँ सीलिंग की कार्रवाई भी की गई, ताकि भविष्य में अवैध निर्माण को रोका जा सके।

विरोध के बावजूद अडिग रहा प्राधिकरण

कार्रवाई के दौरान कई स्थानों पर भूमाफियाओं और निर्माणकताओं द्वारा भारी विरोध किया गया, लेकिन प्राधिकरण का प्रवर्तन दस्ता और पुलिस बल पूरी मुस्तैदी से डटा रहा। प्राधिकरण के अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि सुनियोजित विकास में बाधा डालने वाले किसी भी अवैध निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा।

इस अभियान के दौरान सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता, प्रवर्तन जोन 01 व 02 का समस्त स्टाफ और प्राधिकरण पुलिस बल मुख्य रूप से उपस्थित रहा। प्राधिकरण का यह स्पष्ट संदेश है कि शहर को अवैध कॉलोनियों के जाल से मुक्त कराना उनकी प्राथमिकता है और आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आईटीएस संवाद व्याख्यान श्रृंखला के तहत लीडरशिप व क्राइसिस मैनेजमेंट पर व्याख्यान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर में आईटीएस संवाद व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित विशेष सत्र में उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के पूर्व उपमहानिदेशक डॉ. आर.पी. सिंह ने लीडरशिप और क्राइसिस मैनेजमेंट पर प्रेरक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। आईटीएस के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि प्रभावी नेतृत्व के लिए परिस्थितियों की सही समझ और समय पर निर्णय लेना जरूरी है। संस्थान के निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय ने बताया कि इस श्रृंखला का उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुभवी विशेषज्ञों से जोड़कर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। अपने संबोधन में डॉ. आर.पी. सिंह ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण, संवाद कौशल और संकट में निर्णय लेने की क्षमता भी आवश्यक है। उन्होंने केस स्टडी के माध्यम से नेतृत्व के बदलते स्वरूप को समझाया और कहा कि संकट प्रबंधन में पूर्व तैयारी, जागरूकता और त्वरित निर्णय अहम होते हैं। कार्यक्रम में यूजी परिसर की प्राचार्या डॉ. नैंसी शर्मा, संकाय सदस्यगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट कर धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

अपहरण कांड का पदार्फाश, युवक सकुशल बरामद, महिला सहित 6 आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने एक बड़े अपहरण कांड का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में महिला सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार 17 अप्रैल को युवक का अपहरण कर उसे अलीगढ़ ले जाया गया, जहां उसे बंधक बनाकर रखा गया। आरोपियों ने युवक की रिहाई के बदले 25 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। परिजनों द्वारा करीब 12.5 लाख रुपये देने के बाद भी आरोपी युवक को छोड़ने में टालमटोल कर रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7.50 लाख रुपये नकद, अवैध हथियार और घटना में प्रयुक्त कार बरामद की है। इस सफलता पर पुलिस टीम को पुरस्कृत भी किया गया है।

छात्राओं को रैली में शामिल करने पर सियासी घमासान, सपा का प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

हापुड़ (शिखर समाचार) । भीषण गर्मी के बीच स्कूली छात्राओं को राजनीतिक रैली में शामिल किए जाने के मामले ने जनपद की राजनीति को गर्मा दिया है। इस मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि रामनिवास बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं को रैली में शामिल कर उनकी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया गया है। उन्होंने संबंधित विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही विद्यालय की मान्यता रद्द करने की भी मांग उठाई गई। वहीं भाजपा की ओर से इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा गया कि दोनों कार्यक्रम अलग अलग थे और विपक्ष इस मुद्दे को बेवजह राजनीतिक रंग दे रहा है।

दवा व्यापारियों को बड़ी राहत, अब निवेश मित्र पोर्टल से होगा लाइसेंस नवीनीकरण

हापुड़ (शिखर समाचार)। दवा व्यापारियों के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए लाइसेंस नवीनीकरण प्रक्रिया को सरल बना दिया है। अब यह प्रक्रिया निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से पूरी की जाएगी। हापुड़ केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र गुर्जर ने बताया कि इस मांग को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे थे। मेरठ जोन के व्यापारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर समस्याओं से अवगत कराया था। सरकार द्वारा इस मांग को स्वीकार करने से व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। नई व्यवस्था लागू होने से ड्रग विभाग की मनमानी और उत्पीड़न पर भी अंकुश लगेगा। व्यापारियों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए सरकार का आभार व्यक्त किया है और कहा कि इससे व्यापार में पारदर्शिता और सुगमता बढ़ेगी।

गढ़मुक्तेश्वर के गंगा जन्मोत्सव में गंगा आरती और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। तीर्थ नगरी ब्रजघाट में गंगा सप्तमी के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय गंगा जन्मोत्सव कार्यक्रम श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। गंगा सप्तमी के दिन यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा क्षेत्र भक्ति भाव में डूबा नजर आया।

कार्यक्रम की शुरूआत गंगा पूजन, संकीर्तन और मां गंगा की भव्य महाआरती से हुई। इसके बाद मंच पर कलाकारों ने गणेश वंदना के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उत्साहपूर्वक सराहना की। आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण का संदेश भी प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। इस दौरान गंगा की भव्य पालकी यात्रा और नौका विहार का विशेष आकर्षण रहा, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में गंगा को निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए जनसहयोग की अपील भी की गई। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को भव्य रूप प्रदान किया। इस अवसर पर गंगा सभा आरती समिति के अध्यक्ष अशोक नागर, संचालक कपिल नागर, विनय मिश्रा, महामंत्री विष्णु दत्त नागर, आचार्य मनोज तिवारी, आभा त्यागी, अलका निम, गौरव मिश्रा, नरेंद्र सिंह, मदनपाल चौधरी, विधायक हरेंद्र तेवतिया, साध्वी गीता प्रधान, कन्हैयालाल, डॉ. सुनील त्यागी, भूपेंद्र शर्मा, कुलदीप, संजय रस्तोगी, ऋषि नागर, सुमन उपाध्याय, तरुण नगर, हेमंत शर्मा, अनुराग बंसल और योगेंद्र पंडित सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा साइड करने के विवाद में घायल पालिका लिपिक चंकी भारद्वाज की मौत

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। ई-रिक्शा साइड करने को लेकर हुए विवाद ने एक दर्दनाक मोड़ ले लिया, जिसमें नगर पालिका के लिपिक चंकी भारद्वाज गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव जब खतौली पहुंचा तो गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि पूरे प्रकरण की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जनगणना प्रशिक्षण में अनुपस्थित 64 पर दर्ज होगी प्राथमिकी

गोरखपुर , एजेंसी। जनगणना के प्रशिक्षण के दौरान दो दिनों में 64 प्रगणक और सुपरवाइजर अनुपस्थित रहे। डीएम ने सख्ती बरतते हुए सभी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। जिले में तीन दिवसीय प्रशिक्षण चल रहा है। 20 और 21 अप्रैल को जोन-1 में 12, जोन-2 में 11, जोन-3 में 11, जोन-4 में 14 तथा जोन-5 में 16 प्रगणक और सुपरवाइजर अनुपस्थित रहे। डीएम ने जनगणना अधिनियम 1948 की धारा-11 के उपबंधों के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने कहा कि जिसकी ड्यूटी लगाई गई है उसे प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं है। उन्होंने बताया कि बुधवार को भी जनगणना का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अंडा पार्टी में खूनी विवाद, युवक को पीटकर छत से नीचे फेंका

कानपुर , एजेंसी। चित्रकूट जिले में बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के खांच गांव में पार्टी के दौरान हुए विवाद के बाद युवक की साथियों ने पिटाई की। इसके बाद छत से नीचे फेंक दिया। प्रयागराज में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस को तहरीर दी, लेकिन कार्रवाई न होने से नाराज परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए एसपी कार्यालय व कलक्ट्रेट के सामने जाम लगा दिया और हंगामा करने लगे। साथ ही, बिना कार्रवाई के अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। खांच गांव की गौरा देवी ने बताया कि उसके बेटे मनोज कुमार (19) को गांव का ही अजय उर्फ पप्पू अपने साथ ले गया था। रात में अपने घर में संजय में अंडा पार्टी की थी। उसी में कुछ विवाद हुआ था। इसमें अजय व उसके साथियों ने मिलकर बेटे को पीट कर छत से नीचे फेंक दिया था। इससे बेटा घायल हो गया था। घायल होने के बाद बेटे को प्राथमिक विद्यालय के पास छोड़ कर भाग गए थे और दुर्घटना दिखाने के लिए बेटे के ऊपर बाइक रख दी थी। जानकारी होने पर बेटे को जिला अस्पताल से प्रयागराज रेफर किया गया था। वहां इलाज के दौरान मंगलवार को मौत हो गई। परिजन शव लेकर गांव पहुंचे और कार्रवाई के लिए पुलिस से शिकायत किया। आरोप लगाया कि पुलिस ने कार्रवाई नहीं की है। मजबूरी में परिजन व ग्रामीण शव लेकर एसपी कार्यालय व कलक्ट्रेट के सामने पहुंचे और सड़क जाम करते हुए हंगामा करने लगे। सूचना पर पुलिस पहुंची है। लोगों को समझाने में जुटी है।

खजनी में रसोई गैस किल्लत पर भड़के ग्राहक, हंगामा, पुलिस से नोकझोंक

उनवल (गोरखपुर)। पश्चिम एशिया में संघर्ष पर विराम के बावजूद रसोई गैस किल्लत खत्म होने का नमा नहीं ले रही मांग की तुलना में आपूर्ति कम होने के चलते गैस सिलिंडर की किल्लत बढ़ती जा रही है। मंगलवार को खजनी स्थित गैस एजेंसी पर सिलिंडर वितरण के दौरान जमकर हंगामा हुआ। व्यवस्था संभालने पहुंची पुलिस से भी लोगों की तीखी नोकझोंक हुई। बाद में मामला शांत होने पर पुलिस की निगरानी में सिलिंडर बंटवाए गए। बताया जा रहा है कि सुबह करीब चार बजे से ही सैकड़ों उपभोक्ता गैस सिलिंडर लेने के लिए गोदाम के बाहर लाइन में खड़े हो गए थे लेकिन समय पर वितरण शुरू न होने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई। स्थिति धीरे-धीरे तनावपूर्ण हो गई और उपभोक्ताओं व एजेंसी कर्मियों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस से भी लोगों की नोकझोंक हुई। गोदाम के बाहर लंबी लाइन में लगे उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि एजेंसी पर गैस की पर्याप्त उपलब्धता नहीं थी और वितरण प्रक्रिया भी सही तरीके से नहीं चल रही थी। इसी बीच वाहन से सिलिंडर वितरण किए जाने को लेकर भी लोगों ने आपत्ति जताई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही खजनी पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को को समझाने प्रयास किया। एजेंसी संचालक ने बताया कि गैस की आपूर्ति कम है, जबकि उपभोक्ताओं की संख्या अधिक है। बुकिंग के बाद सिलिंडर मिलने में करीब 45 दिन का समय लग रहा है, जो सबसे बड़ी समस्या बन गई है।

शहर में कई पेट्रोल पंप हुए ड्राई, चक्कर लगाते रहे लोग

गोरखपुर। शहर में पेट्रोल और डीजल की कमी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मंगलवार को शहर के कई पेट्रोल पंप ड्राई हो गए। लोग एक-दूसरे पेट्रोल पंप पर चक्कर लगाते रहे। वहीं, जिन पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल बंटा वहां बाइक में अधिकतम 200 रुपये और चार पहिया वाहन में 1000 रुपये का ही तेल दिया गया। इससे स्थिति और बिगड़ गई, कई पंपों पर कर्मचारियों और लोगों में नोकझोंक भी हुई आजाद चौक, महेवा फल मंडी और गोलघर काली मंदिर के पास स्थित चार पेट्रोल पंप मंगलवार दोपहर में पूरी तरह ड्राई हो गए, जिससे वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जहां कहीं पेट्रोल उपलब्ध रहा, वहां लंबी लाइन देखने को मिलीं। आपूर्ति विभाग का कहना है कि आपूर्ति में कुछ दिक्कत है। आसपास जिलों में ज्यादा समस्या होने के चलते लोग यहां आकर तेल भरवा रहे हैं।

प्रेशर हॉर्न बजाने को लेकर बदले जाएंगे नियम

सजा और जुर्माना में हुआ बड़ा बदलाव; होगी जेल

लखनऊ , एजेंसी। यातायात निदेशालय ने अदालत के आदेश के अनुपालन में मॉडीफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और अवैध हूटर के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। एसओपी में ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले विदेशी वाहनों को भी भारतीय नियमों के तहत मानककृत करने को कहा गया है। बता दें कि कुछ विदेशी चार पहिया और दोपहिया वाहन की स्वाभाविक ध्वनि 80 डेसिबल से अधिक होती है।

एसओपी में कहा गया है कि मॉडीफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और अवैध हूटर का बढ़ता उपयोग गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। यह अपराध होने के साथ सार्वजनिक शांति और स्वास्थ्य के लिए भी खतरा है। प्रदेश में वाहनों की बढ़ती संख्या और उनके द्वारा जनित ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका शोर बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों के लिए मानसिक तनाव और बेचैनी का कारण भी है। एसओपी में इनको बेचने और लगाने वाले दुकानदार, गैराज, वर्कशॉप का पुलिस, ट्रैफिक, परिवहन और एसजीएसटी विभाग के अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर एफआईआर दर्ज करने को कहा गया है। साथ ही उनकी सूची थाने और यातायात कार्यालय में रखने का निर्देश दिया गया है। वहीं फील्ड के अधिकारियों द्वारा ऐसे वाहनों की सघन चेकिंग करने और हूटर व हॉर्न को जब्त करने को कहा गया है। साथ ही वाहन का रजिस्ट्रेशन निलंबित करने का निर्देश दिया गया है।

साइलेंस जोन करें घोषित

एसओपी में ध्वनि प्रदूषण नियमों के तहत नामित क्षेत्रों जैसे हॉस्पिटल, न्यायालय, स्कूल आदि के आसपास के स्थानों को साइलेंस जोन घोषित करने की कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। साइलेंस जोन में निर्धारित सीमा से अधिक डेसीबल के हॉर्न का प्रयोग करने पर तथा अनावश्यक हॉर्न का प्रयोग करने पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई करने को कहा गया है। साथ ही व्यस्त चौराहों आदि पर अनावश्यक हॉर्न बजाने वालों पर भी इसी तरह कार्रवाई होगी।

एप होगा तैयार

इसके अलावा मॉडीफाइड साइलेंसर, हूटर और प्रेशर हार्न से होने वाले ध्वनि प्रदूषण से संबंधित शिकायतों के लिए मोबाइल एप विकसित किया जाएगा, जिस पर फोटो-वीडियो के साथ शिकायतें दर्ज की जा सकेंगी। इसके अलावा परिवहन विभाग के सहयोग से प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र के साथ वाहन में प्रेशर हार्न और हूटर की स्थिति भी अंकित कराने की कार्यवाही की जाएगी।

सजा और जुर्माना का प्रावधान

मोटर वाहन अधिनियम और केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में मॉडीफाइड साइलेंसर, हूटर और प्रेशर हॉर्न के इस्तेमाल पर सजा और जुर्माने का प्रावधान है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थान पर कोई वाहन ऐसे चलाएगा, चलवाएगा या चलाने देगा जिससे सड़क सुरक्षा, शोर और वायु प्रदूषण के मानकों का उल्लंघन होता है तो उसके द्वारा प्रथम अपराध करने पर तीन माह कारावास या 10 हजार रुपये जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। दोबारा या बार-बार ऐसा करने पर 6 माह का कारावास या 10 हजार रुपये जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। वहीं अनावश्यक हॉर्न बजाने पर पहली बार में एक हजार रुपये जुर्माना और दोबारा या बार-बार करने पर 2 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है।

तीन मंजिला टेनरी में लगी भीषण आग, करोड़ों का नया सेटअप जलकर खाक

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में जाजमऊ थाना क्षेत्र के वाजिदपुर में मंगलवार रात शॉर्ट सर्किट से टेनरी में आग लग गई। सूचना पाकर पहुंचीं दमकल की आठ गाड़ियों ने करीब चार घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग से करोड़ों रुपये का सामान जल गया है। जेके स्थित एमरॉल्ड गुलिस्तान निवासी नौशाद अहमद की वाजिदपुर स्थित एचएस इंटरनेशनल टेनरी है। मंगलवार रात को तीन मंजिला टेनरी के नीचे की मंजिल में कर्मचारी काम कर रहे थे। शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस पर कर्मचारी शोर मचाते हुए बाहर भागे। सूचना पाकर टेनरी संचालक मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग को सूचना दी। नौशाद ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले जूता फिनिशिंग के लिए सेटअप लगाया था जिसकी कीमत दो करोड़ से अधिक है।आग की चपेट में आने से वह पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल और पुलिस कर्मियों ने करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। तंग गलियों से वाहन लाने में भी दमकल कर्मियों को मशक्कत करनी पड़ी, जिस कारण कुछ देरी हुई है। जाजमऊ अग्निशमन अधिकारी राहुल नंदन ने बताया कि फायर स्टेशन जाजमऊ, मीरपुर, किदवईनगर, फजलगंज और पनकी से करीब आठ दमकल बुलाकर आग पर काबू पाया गया है। कोई हताहत नहीं हुआ है।

संगठन में सक्रियता का मिला सम्मान, चौधरी राकेश कुमार बने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपते हुए चौधरी राकेश कुमार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी का माहौल है।

चौधरी राकेश कुमार, ग्राम खाजपुर, जनपद गौतम बुद्ध नगर के निवासी हैं और लंबे समय से संगठन के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। किसान हितों के मुद्दों को उठाने और संगठन के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा ने उनके कार्यों को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने विश्वास जताया कि राकेश कुमार आगे भी संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए संगठन को और मजबूत करेंगे। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

एसपी ने कोतवाली कैराना में डिजिटल मालखाना का किया शुभारंभ

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। ऑपरेशन क्लीन अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह ने कोतवाली कैराना में डिजिटल मालखाना का विधिवत शुभारंभ किया। यह पहल पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

बृहस्पतिवार को पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा संचालित ऑपरेशन क्लीन के क्रम में जनपद शामली पुलिस ने यह आधुनिक व्यवस्था लागू की। शुभारंभ के अवसर पर पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने बताया कि डिजिटल मालखाना प्रणाली से थाना स्तर पर बरामद सामान को सुरक्षित, पारदर्शी और व्यवस्थित देखरेख सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि अब मालखाने में रखे गए सभी सामान का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, जिससे उसकी ट्रैकिंग, निगरानी और समय-समय पर सत्यापन की प्रक्रिया अधिक सरल और प्रभावी हो जाएगी। इस नई व्यवस्था से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी और मानवीय त्रुटियों में कमी आएगी। साथ ही न्यायालयीन प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक अभिलेख भी त्वरित रूप से उपलब्ध हो सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल मालखाना प्रणाली के संचालन, रखरखाव और उपयोग से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा इसे प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रेरित किया गया। जनपद शामली पुलिस ऑपरेशन क्लीन अभियान के अंतर्गत तकनीकी और नवाचार आधारित व्यवस्थाओं को अपनाकर पुलिसिंग को अधिक पारदर्शी और जन-उन्मुख बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

जमीन विवाद में खूनी खेल: भतीजे ने सगे चाचा की गोली मारकर की हत्या, थाने में किया आत्मसमर्पण

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में जमीन के विवाद ने खूनी रूप ले लिया। भतीजे ने अपने ही सगे चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी खुद थाने पहुंचा और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली शहर क्षेत्र निवासी इशाक का अपने भतीजे शाने रजा के साथ लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में शाने रजा ने इशाक पर फायरिंग कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े।

घटना के बाद परिजन घायल इशाक को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने घटनास्थल और अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या का कारण जमीन का विवाद सामने आया है। आरोपी को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हाईस्कूल व इंटर के परिणाम घोषित, शामली में खुशी की लहर अश्वनी व अनंत बने जिला टॉपर

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित होते ही जनपद में खुशी की लहर दौड़ गई। देवी उमरा कौर वैदिक इंटर कॉलेज के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों ही वर्गों में टॉप कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस वर्ष शामली में हाईस्कूल का कुल परिणाम 92.4 प्रतिशत और इंटरमीडिएट का 87.5 प्रतिशत दर्ज किया गया। खास बात यह रही कि बेटियों के साथ-साथ बेटों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। हाईस्कूल में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कस्बा बनत निवासी अश्वनी कुमार ने जिला टॉप किया। वह देवी उमरा कौर वैदिक इंटर कॉलेज के छात्र हैं। उनके पिता अनाज मंडी में एक व्यापारी के यहां मुनीम का कार्य करते हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। परिवार में दादा परचून की दुकान चलाते हैं। अश्वनी का

छोटा भाई अरनव भी इसी विद्यालय में कक्षा 8 का छात्र है, जिसने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इंटरमीडिएट में 94.8 प्रतिशत अंक हासिल कर अनंत कुमार ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनंत भी देवी उमरा कौर वैदिक इंटर कॉलेज के छात्र हैं और तीन भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं। उनके पिता सेतपाल फास्ट फूड का कार्य करते हैं, जबकि माता अमरेश गृहिणी हैं। अनंत ने बताया कि वह रोजाना 5 से 6 घंटे पढ़ाई करते थे और पहले से ही बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य तय किया था। उन्होंने कहा कि परिणाम को लेकर उन्हें अंकों का अनुमान नहीं था, लेकिन मेहनत पर पूरा भरोसा था। फिजिक्स और कंप्यूटर उनके पसंदीदा विषय हैं और उनका सपना आईआईटियन बनने का है। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय और परिवारों में जश्न का माहौल है। शिक्षकों ने इसे छात्रों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और मार्गदर्शन का परिणाम बताया।

नियमित पढ़ाई के साथ सेल्फ स्टडी को दी प्राथमिकता

लखनऊ , एजेंसी। देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई मेन) का परिणाम सोमवार देर शाम राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने जारी कर दिया। राजधानी में इस वर्ष परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर रहा। आंकड़ों के अनुसार, 10 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा में सफलता हासिल की है।

सफल छात्रों का कहना है कि अब तैयारी का पैटर्न बदल रहा है। कोचिंग पर निर्भरता के साथ-साथ सेल्फ स्टडी पर विशेष फोकस बढ़ा है। 99.90 पर्सेंटाइल हासिल करने वाले हजरतगंज निवासी राणा श्रृजीत ने बताया कि 10वीं कक्षा से ही तैयारी शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे नियमित पढ़ाई के साथ सेल्फ स्टडी को प्राथमिकता दी।

इसी तरह प्रसुख जैन ने 99.88 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए। उन्होंने बताया कि कोचिंग सहायक रही, लेकिन इंटरमीडिएट के गणित नोट्स और स्वयं अध्ययन ने मजबूत आधार तैयार किया।

जेईई की तैयारी करा रहे शिक्षक डीके मिश्रा के अनुसार, बेहतर शैक्षणिक वातावरण सफलता की कुंजी है। घर और स्कूल में अनुकूल माहौल मिलने पर विद्यार्थी स्वयं बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। साथ ही कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।राजधानी में 550 से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

प्रदेश में कैबिनेट विस्तार की खबरों को लगे पंख, बंद कमरे की मंत्रणा ने बढ़ाए कयास

लखनऊ , एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े के एक दिवसीय दौरे ने राजधानी की सियासी हलचल बढ़ा दी है और मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें फिर तेज हो गई हैं। सोमवार को वे मंत्री दिनेश सिंह और पूर्व मंत्री महेन्द्र सिंह के यहां विवाह समारोह में शामिल होने आए थे, लेकिन इस दौरान उन्होंने प्रदेश संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह से बंद कमरे में करीब एक घंटे तक गोपनीय चर्चा की। इसके बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से फोन पर भी मंत्रणा की और दिल्ली लौट गए।

सूत्रों के अनुसार, इस महीने के अंत तक मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकती है। तावड़े की यह संक्षिप्त यात्रा कई राजनीतिक संकेत छोड़ गई है। इससे पहले भी वे लखनऊ आकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्रियों और अन्य वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर अपनी रिपोर्ट शीर्ष नेतृत्व को सौंप चुके हैं। दिल्ली में हाल ही में पार्टी नेतृत्व स्तर की बैठकों में संगठन में बदलाव, मंत्रिमंडल विस्तार और निगम-बोर्डों में समायोजन पर मंथन हुआ था। माना जा रहा है कि तावड़े का यह दौरा अंतिम दौर की रणनीतिक चर्चा का हिस्सा है।

भाजपा की कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की जोनल स्तर की वक्ता कार्यशाला का आयोजन बक्शी का तालाब के एक कॉलेज में हुआ, जिसमें कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) शिव प्रकाश ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से अनुशासित, समर्पित, परिश्रमी, निष्ठावान तथा वैचारिक रूप से दृढ़ कार्यकर्ताओं का निर्माण होता है। यह कार्यकर्ता निर्माण की सशक्त परंपरा है।

वहीं राष्ट्रीय मंत्री ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि सीखने की प्रवृत्ति ही हमें अपने कार्यक्षेत्र में दक्ष बनाती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि यह प्रशिक्षण भाजपा की आत्मा, वैचारिक प्रतिबद्धता और कार्यकर्ता निर्माण की निरंतर चलने वाली साधना का अभिन्न अंग है। जनसंवाद कैसे करें, संगठनात्मक दायित्व कैसे निभाएं और मतभेदों के बीच भी मर्यादा कैसे बनी रहे, इन सभी गुणों का विकास प्रशिक्षण से ही संभव है। इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र एवं अजय जामवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बूथ प्रबंधन एवं चुनाव प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया।

उत्तराखंड के प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजय कुमार ने विचार परिवार तथा बिहार के प्रदेश महामंत्री (संगठन) भीकूभाई दलसानिया ने संगठन की कार्य पद्धति पर प्रशिक्षण दिया। प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य ने देश के समक्ष चुनौतियां, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने भाजपा का इतिहास व विकास, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक वरुण झावेरी ने सोशल मीडिया आदि के बारे में बताया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, उत्तराखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

नोएडा प्राधिकरण का बड़ा फैसला: 4800 कर्मियों को मिलेगा 5 लाख तक का मेडिकल कवर, आज हुआ एमओयू

आरव शर्मा

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा प्राधिकरण ने अपने 4800 श्रमशक्ति आपूर्तित कर्मियों के लिए एक बड़ा और राहत भरा कदम उठाया है। इन कर्मियों को अब मेडिकल इंश्योरेंस की सुरक्षा मिलेगी, जिसके लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जनरल इंश्योरेंस कंपनी को अधिकृत किया गया है। 23 अप्रैल 2026 को नोएडा प्राधिकरण और बीमा कंपनी के बीच औपचारिक रूप से एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिए गए हैं।

ईएसआई से बाहर हुए कर्मियों को मिली बड़ी राहत

बता दें कि पूर्व में ईएसआई विभाग द्वारा मेडिकल सुविधा के लिए निर्धारित 21000 रुपये की वेतन सीमा के कारण प्राधिकरण के तमाम कर्मी ईएसआई सुविधा के दायरे से बाहर हो गए थे। इसके बाद से ही ये कर्मी लगातार मेडिकल सुविधा बहाल करने की मांग कर रहे थे, जिस पर अब प्राधिकरण ने मुहर लगा दी है।

योजना की खास बातें

बीमा कवरः इस सुविधा के तहत कर्मी और उनके 5 आश्रितों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का मेडिकल लाभ मिलेगा।

तुरंत इलाजः एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा इंश्योरेंस के पहले दिन से ही इलाज की सुविधा दी जाएगी।

गंभीर बीमारियांः इसमें गंभीर बीमारियों का इलाज भी सम्मिलित है और नोएडा व दिल्ली के अधिकांश बड़े अस्पताल इस पॉलिसी के दायरे में होंगे।

प्राधिकरण का खर्चः प्राधिकरण द्वारा प्रति कर्मी 10,000 रुपये सालाना प्रीमियम का भुगतान किया जाएगा। यह ऐतिहासिक निर्णय प्राधिकरण की 215वीं बोर्ड बैठक (दिनांक 26.10.2024) में लिया गया था, जिसे अब आधिकारिक तौर पर लागू कर दिया गया है।

नारी शक्ति वंदना पर प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल का विपक्ष पर निशाना

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़। प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को हापुड़ स्थित सिंचाई विभाग के अतिथि गृह में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान नारी शक्ति वंदना कार्यक्रम को लेकर विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि संसद में महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने वाले विधेयक को विपक्षी पार्टियों ने रोकने का प्रयास किया, जिससे नारी शक्ति में आक्रोश है। कपिल देव अग्रवाल ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार सदैव महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने के लिए संकल्पित रही है, लेकिन समाजवादी पार्टी, कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने इस दिशा में बाधा उत्पन्न की। उन्होंने कहा कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता तो महिलाओं को और अधिक अधिकार मिलते, लेकिन विपक्ष की नीतियों के चलते ऐसा संभव नहीं हो सका। उन्होंने विपक्ष द्वारा इस मुद्दे पर किए जा रहे प्रचार को भी भ्रामक बताते हुए कहा कि जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि भाजपा सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर हापुड़ विधायक विजयपाल आढ़ती, गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया, भाजपा जिला अध्यक्ष कविता माधरे, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, मोहन सिंह, राज सुंदर तेवतिया, पूर्व जिला अध्यक्ष नरेश तोमर, प्रमोद जिंदल, राजीव सिरोही, पायल गुप्ता, संगीता पुरुषोत्तम, हरीश पुरुषोत्तम, राजीव शर्मा, राजू तेवतिया सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पालिका की हंगामेदार बैठक में आय-व्यय का प्रस्ताव पास

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बोर्ड की हंगामेदार बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए अनुमानित आय-व्यय का बजट प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। बजट में 47 करोड़ 13 लाख रुपये की आय और 45 करोड़ 10 लाख रुपये के व्यय का प्रावधान रखा गया, जिससे कुल 2 करोड़ 3 लाख रुपये के लाभ का अनुमान जताया गया।

बृहस्पतिवार को चेयरपर्सन ताहिरा खलील की अध्यक्षता और कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी आशुतोष जायसवाल के संचालन में आयोजित बैठक के दौरान उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब प्रधान लिपिक इफ्तेखार जेदी ने नगर में हुए विकास कार्यों सड़क निर्माण, नाली, नालों और पुलियों के निर्माण सहित अन्य कार्यों का विवरण पटल पर रखा। इस पर राजकुमार उर्फ जोनी, मौ जुनैद, सानू, मो मकसूद अली, आरिफ अहमद, कपिल पवार, रोहित बिश्नोई, मो असलम सहित अधिकांश सभासदों ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि जिन सड़कों के निर्माण के लिए वार्ड सभासद प्रस्ताव देते हैं, उन पर कार्य नहीं कराया जा रहा है।

सभासदों का कहना था कि वे उन्हीं कार्यों की मांग करते हैं, जिनकी उनके वार्डवासियों को वास्तविक आवश्यकता होती है, लेकिन उन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। इस मुद्दे पर बैठक में काफी देर तक तीखी बहस और हंगामा होता रहा।

कपिल पवार ने हेल्थ मैन्युअल एक्ट के तहत ठेका सफाईकर्मियों की भर्ती की मांग उठाई। वहीं, सभासदों ने अंबेडकर पार्क में अंबेडकर लाइब्रेरी की स्थापना, शव यात्रा वाहन की व्यवस्था और पथ प्रकाश को सुचारू करने की भी मांग रखी।

चेयरपर्सन ताहिरा खलील और अधिशासी अधिकारी आशुतोष जायसवाल ने सभासदों को आश्वासन दिया कि आगे से उनके द्वारा तैयार कार्य योजनाओं के अनुसार ही विकास कार्य कराए जाएंगे। नामित सभासद नीरज बिश्नोई, विनोद अग्रवाल, भूपेश चौहान, सोहन सैनी और मनोज टंडन सहित अन्य ने भेदभाव रहित नगर विकास पर जोर देते हुए मिनी स्टेडियम के निर्माण की मांग भी उठाई।

मोबाइल से दूरी, मेहनत से नजदीकी, देवेश कुमार बने जिला टॉपर, 94.33% अंक हासिल

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के सेठ तुलाराम शिशु विद्या मंदिर के छात्र देवेश कुमार ने हाईस्कूल परीक्षा में 94.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉप किया है। इस उपलब्धि से स्कूल, परिवार और पूरे कस्बे में खुशी का माहौल है। गुरुवार को घोषित हुए परिणाम में देवेश ने अपनी मेहनत और अनुशासन के बल पर यह मुकाम हासिल किया।

देवेश कुमार कस्बे के मोहल्ला सल्लियान निवासी लोकेश कुमार के पुत्र हैं। परिवार में पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे देवेश ने सीमित संसाधनों के बावजूद पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखी। उनके पिता जूनियर हाई स्कूल में सरकारी शिक्षक हैं, जिससे उन्हें शिक्षा का अच्छा वातावरण मिला।

देवेश ने बताया कि उन्होंने मोबाइल का उपयोग केवल पढ़ाई के लिए किया और अन्य चीजों से दूरी बनाए रखी। वह प्रतिदिन लगभग 9 घंटे पढ़ाई करते थे। उनका लक्ष्य आगे

चलकर आईआईटी में प्रवेश लेकर इंजीनियर बनने का है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि मोबाइल का उपयोग केवल शिक्षा के लिए करना चाहिए।

स्कूल के प्रधानाचार्य सुभाष शर्मा ने बताया कि देवेश शुरू से ही अनुशासित और मेहनती छात्र रहा है। वह शिक्षकों के निर्देशों का पालन करते हुए हर कार्य को पूरी लगन से करता है, जिसका परिणाम आज सबके सामने है।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल के छात्रों ने जेईई मेन में लहराया परचम, 24 विद्यार्थियों ने हासिल की शानदार सफलता

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सोमवार 20 अप्रैल 2026 को घोषित जेईई मेन परीक्षा के अंतिम परिणाम, कटऑफ और रैंक सूची में नेहरू वर्ल्ड स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। कुल 24 विद्यार्थियों ने 99.76 से 93.41 परसेंटाइल के बीच अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इस उपलब्धि से विद्यालय, विद्यार्थियों और अभिभावकों में हर्ष का माहौल है। सफल विद्यार्थियों में अभिनव त्यागी, उर्जिता त्रिपाठी, अनन्या शर्मा, शांतनु अग्रवाल, दानिश लोनी, झंकार बत्रा, आराध्या भारद्वाज, प्रियांश गर्ग, शिवेंद्र शर्मा, भव्य भाकुनी, तनुष कपूर, वेद कपूर, आदित्य कुमार राय, शौर्य चौधरी, सिद्धार्थ चौधरी, स्पर्श कुमार तिवारी, शुभ कंसल, एकनाथ श्रीवास्तव, पावनी अग्रवाल, दिव्यांशु कुकरेजा, आरुष सिंह, आदित्य कसाना, विदित चौधरी और धैर्य चौधरी शामिल हैं। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। निदेशक अरुणाभ सिंह, कार्यकारी प्रधान शिक्षक सुजैन होम्स, प्रधानाचार्य मंजुला सिंह एवं समस्त शिक्षक वर्ग ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे उनकी मेहनत, अनुशासन तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया। अब अगली परीक्षा जेईई एडवांस 19 मई को आयोजित होगी, जिसमें ये छात्र एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विद्यालय ने आशा जताई है कि छात्र आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता की नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय पर पासपोर्ट लोक अदालत का हुआ आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय पर गुरुवार को पासपोर्ट लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरुप भारतीय विदेश सेवा ने आवेदकों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनके लंबित प्रकरणों एवं समस्याओं की समीक्षा की। लोक अदालत के माध्यम से मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशील निस्तारण सुनिश्चित किया गया। इस पहल के परिणामस्वरूप लंबित मामलों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया गया, जिससे आवेदकों को त्वरित एवं संतोषजनक समाधान प्राप्त हुआ। आवेदकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं इस लोक अदालत में 50 मामलों का निस्तारण किया गया।

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरुप भारतीय विदेश सेवा ने बताया कि विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निदेशों के अनुपालन में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद भविष्य में भी नागरिकों को सुगम, पारदर्शी एवं प्रभावी सेवाएँ प्रदान करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। अगर उन्हें कोई समस्या आती है तो इसका जल्द से जल्द निस्तारण किया जाएगा।

नवाचार और सकारात्मक सोच सफलता की कुंजीः डॉ गरिमा वर्मा

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के कांधला रोड स्थित मेपल्स एकेडमी में ऑनलाइन इनोवेशन काउंसिल सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना, उन्हें प्रोत्साहित करना तथा आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक बनाना रहा। आयोजित कार्यशाला में कक्षा 11 व 12 के छात्रों को नेतृत्व के गुण, प्रोत्साहन का महत्व और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान छात्रों को आधुनिक तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं चैट जीपीटी के उपयोग की जानकारी भी दी गई, जिससे वे अपने अध्ययन और रचनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकें। सत्र के दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचार साझा करते हुए जिज्ञासापूर्ण प्रश्न भी पूछे। प्रधानाचार्या डॉ गरिमा वर्मा ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि नवाचार और सकारात्मक सोच ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में इस प्रकार के ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सत्र समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन उप प्राचार्य क्षितिज श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक राजीव गर्ग, कपिल मित्तल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

25, 26 व 27 अप्रैल को होने वाली होमगार्ड भर्ती परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। आगामी होमगार्ड भर्ती लिखित परीक्षा-2026 को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह परीक्षा 25, 26 व 27 अप्रैल 2026 को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जाएगी। जनपद में परीक्षा के लिए कुल 17 केंद्र बनाए गए हैं। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और नकल विहीन ढंग से सम्पन्न कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा, बायोमैट्रिक स्कैनर की उपलब्धता तथा मुख्य प्रवेश द्वार पर सख्त निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शौचालय, पेयजल और मोबाइल व बैग जमा करने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अनियमितता रोकने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध करने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चैबे सहित परीक्षा केंद्रों के व्यवस्थापक, प्रबंधक तथा पुलिस और प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नवादा चुंगी से जंगल तक मौत की कहानीः शराब पार्टी के बाद हुआ खौफनाक कांड

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्योहारा थाना क्षेत्र में अपहरण के बाद हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर मृतक का शव, चप्पल और उसकी मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। घटना के खुलासे के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और सनसनी का माहौल है। पुलिस के अनुसार ग्राम बेरखेड़ा टांडा निवासी सुरेंद्र सिंह ने 19 अप्रैल को अपने पुत्र मनोज कुमार उर्फ मोनू के अपहरण की तहरीर थाना स्योहारा में दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने करीब 20 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। जांच के दौरान 23 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी अनुज कुमार निवासी शरीफपुर और नितिन कुमार निवासी कादराबाद खुर्द को गिरफ्तार कर लिया। सख्ती से पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों ने बताया कि 17 अप्रैल को वे मृतक मनोज के साथ नवादा चुंगी से बेरखेड़ा के जंगल में शराब पीने गए थे। इसी दौरान नशे में आपसी कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। गुस्से में आकर दोनों ने मनोज की बेरहमी से पिटाई की और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को जंगल में छिपा दिया और मृतक की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी वहीं छोड़ दी, ताकि किसी को शक न हो। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर शव, चप्पल और बाइक बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अनुज कुमार का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। इस पूरे मामले के खुलासे में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार और उनकी टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं में वृद्धि करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

डीएम ने कुपोषित बच्चों को बांटी 'विदुर' ब्रांड पोषण किट, स्वयं सहायता समूहों की पहल को सराहा

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद के डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कुपोषित (अति कुपोषित और मध्यम कुपोषित) बच्चों को विदुर ब्रांड की पोषण किट वितरित की। स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार की गई इन किटों का उद्देश्य जिले से कुपोषण को जड़ से समाप्त करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इन पौष्टिक किटों के नियमित सेवन से बच्चों का वजन सामान्य होने के साथ उनके स्वास्थ्य में व्यापक सुधार होगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में जिन बच्चों को यह किट दी गई थी, उनके स्वास्थ्य में सकारात्मक परिवर्तन देखा गया है और आशा जताई कि चिन्हित सभी बच्चे जल्द ही पूर्ण रूप से स्वस्थ हो सकेंगे।

विदुर ब्रांड की पोषण किट में चना, शहद, देसी घी, मैकरोनी, बेसन, चटनी, आंवला कैंडी, बिस्कुट, सत्तू और आटा जैसे पोषक खाद्य पदार्थ शामिल हैं, जिन्हें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किया गया है। कार्यक्रम का संचालन अधिशासी अधिकारी विकास कुमार ने किया, जबकि अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने 26 अति कुपोषित और 128 मध्यम कुपोषित बच्चों को किट वितरित की। कार्यक्रम के उपरांत जिलाधिकारी ने रामपुर बकली गांव में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया तथा नगर पालिका द्वारा निर्मित सड़कों, नालों और प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बने मकानों की गुणवत्ता की भी बारीकी से जांच की। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. बीरबल सिंह, लेखा परीक्षक वीरेंद्र कुमार, कर अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, गौरव शर्मा, यशवंत सिंह, विपिन देसाई और संदीप कुमार सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तमंचा लहराकर दहशत फैलाने वाला आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने मौके से दबोचा

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में पुलिस ने एक ऐसे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है, जो ग्रामीणों को तमंचा दिखाकर डराने और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था। पुलिस की सतर्कता के चलते आरोपी को समय रहते पकड़ लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोट पुल नहर से चक्रसेनपुर गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर 23 अप्रैल की सुबह पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान डेरीन गांव निवासी एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता नजर आया, जिसे रोककर पुलिस ने पूछताछ की।

तलाशी लेने पर युवक के पास से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद हुए। जांच में सामने आया कि आरोपी ग्रामीणों को हथियार दिखाकर भयभीत करता था और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा।

जैवलिन थ्रो में कांस्य पदक जीतकर बेटी ने बढ़ाया मान, गांव में हुआ जोरदार सम्मान

दादरी (शिखर समाचार)। तहसील दादरी क्षेत्र के मिल्क खंडेरा गांव की बेटी कनिष्का तोंगड़ ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी का माहौल है।बेंगलुरु में आयोजित नेशनल एथलेटिक्स सीरीज में कनिष्का ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। उनकी इस सफलता पर गांव पहुंचने पर संकल्प संस्था द्वारा उनका भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। संकल्प संस्था के संस्थापक डॉ. भूपेंद्र नागर ने कहा कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों में खिलाड़ियों को उचित संसाधन और प्रशिक्षण मिले, तो वे राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने बेटियों को भी समान अवसर देने पर जोर दिया। इस अवसर पर अमित नागर, देवेंद्र राणा, जितेंद्र तोंगड़ और विजयपाल शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और खिलाड़ी का उत्साहवर्धन किया।

महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

शामली (शिखर समाचार)। नगर के दुर्गा प्रसाद महादेव मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को विधि विधान और मंत्रोच्चार के साथ किया गया। पहले दिन पंडित प्रेम किशोर कोठारी के नेतृत्व में जनेऊ संस्कार एवं वेदियों का पूजन विधिपूर्वक संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम में सदर विधायक प्रसन्न चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रमोद सिंघल, पवन सिंघल, संजीव सिंघल, श्रवण सिंघल, गुलशन राय, गौरव सिंघल और सुशील कुमार सिंघल सहित खेड़ा मस्तान परिवार के अनेक सदस्य मौजूद रहे। महोत्सव के शुभारंभ के साथ ही मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आयोजकों के अनुसार, प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आगामी दिनों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और कार्यक्रमों के साथ जारी रहेगा, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग लेंगे।

संपादकीय

लोकतंत्र का महापर्व : पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में रिकॉर्ड मतदान ने दिया मजबूत संदेश

23 अप्रैल 2026 को देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया ने एक बार फिर अपनी जीवंतता और ताकत का परिचय दिया है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनावों के पहले चरण और एकसाथ मतदान ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय मतदाता अब पहले से कहीं अधिक जागरूक, सक्रिय और जिम्मेदार हो चुका है। पश्चिम बंगाल में 152 सीटों के लिए पहले चरण का मतदान और तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर एक साथ वोटिंग केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास और भागीदारी का मजबूत प्रमाण है। शाम पांच बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार तमिलनाडु में लगभग 82.24 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में लगभग 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह आंकड़े अपने आप में कई संकेत देते हैं। सबसे पहला और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि मतदाताओं में लोकतंत्र के प्रति विश्वास बना हुआ है। दूसरा यह कि राजनीतिक मुद्दे और चुनावी विमर्श जनता के जीवन से गहराई से जुड़े हुए हैं। और तीसरा यह कि लोग अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार बनना चाहते हैं।

पश्चिम बंगाल में लगभग 90 प्रतिशत के करीब पहुंचता मतदान प्रतिशत यह दशार्ता है कि राज्य में चुनाव को लेकर असाधारण उत्साह है। यह उत्साह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और क्षेत्रीय मुद्दों के प्रति जनता की सजगता को भी दशार्ता है। वहीं तमिलनाडु में भी 80 प्रतिशत से अधिक मतदान यह साबित करता है कि दक्षिण भारत के इस महत्वपूर्ण राज्य में भी लोकतांत्रिक भागीदारी लगातार मजबूत हो रही है। इस बार के चुनावों की एक खास बात यह भी रही कि महिलाओं, युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है। कई मतदान केंद्रों पर सुबह से ही लंबी कतारें यह संकेत दे रही थीं कि लोग अपने अधिकार के प्रति न केवल सजग हैं, बल्कि उसे प्रयोग करने के लिए प्रतिबद्ध भी हैं। यह बदलाव भारतीय लोकतंत्र के भविष्य के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। हालांकि इतने बड़े स्तर पर मतदान के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आती हैं। पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। इस बार भी कुछ स्थानों से हल्की फुल्की झड़पों और तनाव की खबरें सामने आईं, लेकिन कुल मिलाकर चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रही। चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों की सतर्कता ने यह सुनिश्चित किया कि अधिकतम लोग बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। तमिलनाडु में भी व्यापक स्तर पर मतदान के लिए प्रशासन ने बेहतर व्यवस्थाएं कीं। डिजिटल तकनीक, मतदाता जागरूकता अभियान और बूथ स्तर पर सुविधाओं में सुधार ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। यह संकेत देता है कि यदि चुनाव प्रक्रिया को सुविधाजनक और भरोसेमंद बनाया जाए, तो लोग स्वतः ही उसमें भागीदारी बढ़ाते हैं। इन चुनावों का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अब मतदाता केवल जाति, धर्म या पारंपरिक राजनीतिक झुकाव के आधार पर वोट नहीं दे रहा है, बल्कि विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे रहा है। यह बदलाव भारतीय राजनीति के लिए एक नया संकेत है, जहां अब केवल वादों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस कार्य और नीतियों के आधार पर जनता का विश्वास जीतना होगा। उच्च मतदान प्रतिशत राजनीतिक दलों के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है कि जनता अब निष्क्रिय नहीं है। वह सवाल पूछती है, जवाब चाहती है और जरूरत पड़ने पर सत्ता परिवर्तन का निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करती। ऐसे में राजनीतिक दलों को अपने एजेंडे, उम्मीदवारों की छवि और कार्यशैली में पारदर्शिता लानी होगी।

~ मौलिक चिंतन ~

प्रयास अगर जिताता नहीं है,
तब भी सिखाता तो जरूर है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस और 73वाँ संविधान संशोधन : ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

सुनील कुमार महला

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना गलत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-क जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमशः ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया। इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई।इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-ड भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ।

बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वतः लागू नहीं होता है। इनमें नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र, मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र, तथा पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला (दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल क्षेत्र) शामिल हैं। हालांकि, यह बात अलग है कि भारतीय संसद आवश्यकतानुसार अपवादों और संशोधनों के साथ इन क्षेत्रों में भी इसके प्रावधान लागू कर सकती है।

निष्कर्षतः, यहां यह बात कही जा सकती है कि 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र(इंडियन डेमोक्रेसी) को जमीनी स्तर तक सुदृढ़ करने वाला ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ। इसने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर ग्रामीण जनता की भागीदारी सुनिश्चित की, सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा दिया तथा गाँवों को अपने विकास के निर्णय लेने का अधिकार प्रदान किया। सरल शब्दों में यह बात कही जा सकती है कि 73 वें संविधान संशोधन ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत कर ग्रामीण विकास में आम जन की भागीदारी सुनिश्चित की है, जिससे भारत प्रतिनिधिक लोकतंत्र से सहभागी लोकतंत्र की ओर बढ़ा है। निस्संदेह यह संशोधन ग्राम स्वराज, सशक्त ग्रामीण भारत और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं एनआइटी के होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है। एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है।

लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे ?

गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गईं,ह्व उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है।

आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली।

तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रेल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है।

छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी।

इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।।मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं। इस घटना के बाद कैंपस में तनाव और बढ़ गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के कार्यवाहक निदेशक ब्रह्मजीत ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों द्वारा उठाई गई कई मांगों को स्वीकार कर लिया है।

इन संदिग्ध मौतों के चलते कैंपस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र देर रात मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि छात्रावास के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक नहीं था और उन्होंने स्थिति से निपटने के तरीके पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने घटना के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया में लगने वाले समय पर भी सवाल उठाया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने परिसर में हाल में छात्रों के आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। साथ ही छात्रों की समस्याओं की जांच के लिए तीन अलग-अलग समितियां भी बनाई हैं। जांच समिति इस मुद्दे पर छात्रों, प्रोफेसर, वार्डन और अन्य कर्मचारियों के साथ बातचीत करेगी।

एनआईटी के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर ज्ञान भूषण ने रविवार को कहा कि परिसर में हाल में हुई आत्महत्या की घटनाओं की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता छात्र कल्याण विभाग की डीन प्रोफेसर लिली दीवान कर रही हैं और इसमें प्रोफेसर जे।के। कपूर, प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, डॉ। संदीप सिंघल और डॉ। मनोज सिन्हा शामिल हैं।

पुलिस ने बताया था कि दुबे की कथित आत्महत्या के बाद शुक्रवार रात को बीटेक प्रथम वर्ष की एक अन्य छात्रा ने भी कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया था।

मूल रूप से महाराष्ट्र की निवासी छात्रा ने कथित तौर पर धमकी दी और छात्रावास की इमारत से कूदने की कोशिश की, लेकिन उसके सहपाठियों ने उसे रोक लिया।

संस्थान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए और सभी छात्रों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए अगले आदेश तक अवकाश रहेगा। एनआईटी प्रशासन की ओर से जारी एक नोटिस के अनुसार, उन्हें 19 अप्रैल तक अपने छात्रावास खाली करने होंगे। छात्रावासों में रह रहे लगभग 5,300 छात्रों में से 2,500 से अधिक छात्रों ने संस्थान के नोटिस के बाद शनिवार तक अपने कमरे खाली कर दिए। दूरदराज के राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है।

प्रशासन ने कहा कि प्रायोगिक परीक्षाओं समेत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की सूचना उचित समय पर दी जाएगी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से काफी पहले सूचित कर दिया जाएगा। हालांकि छात्रों का आरोप है कि पहले बनी जांच कमेटी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कुछ छात्रों ने यह भी कहा कि उन्हें मानसिक दबाव और परेशान किया जा रहा है। उनका दावा है कि एक प्रोफेसर ने यहां तक कह दिया कि ह्लअगर सुसाइड करना है तो कैंपस के बाहर करो।ह्व इन आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

इधर, बढ़ते विवाद के बीच एनआईटी प्रशासन ने 17 अप्रैल से 4 मई तक छुट्टियां घोषित कर दी हैं। छात्रों को हॉस्टल खाली करने का नोटिस दिया गया है और कई छात्र अपना सामान पैक कर घर लौटते नजर आ रहे हैं। इस पर भी छात्रों ने नाराजगी जताई है और कहा है कि उन्हें जबरदस्ती घर भेजकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

सवाल उठता है कि एक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान में ऐसी क्या गड़बड़ी है कि भविष्य संवारने के लिए आए होनहार छात्र छात्राओं को सुसाइड करने की मजबूरी आन पड़ी है? इस के पीछे क्या संस्थान के शिक्षक प्रबंधन प्रशासन की कोई गड़बड़ी जिम्मेदार है या छात्रों के बीच में ही शेरों की खाल में कोई सियार छिपे हुए हैं और छात्र छात्राओं के साथ कोई अनैतिकता या अमानवीयता कर उन्हें सुसाइड करने के लिए मजबूर किया जा रहा है? की बार नशे के सौदागर और साइबर ठगी या निवेश के जाल मे फंसा कर ब्लेक मेल करने वाले गिरोह भी ऐसे वारदातों के पीछे जिम्मेदार हो सकते हैं। क्या वजह है कि सरकार ने एक के बाद एक हो रही सुसाइड की वारदातों को गंभीरता से नहीं लिया आखिर कब तक हमारे उच्च शिक्षा संस्थान होनहार बच्चों के सपनों को रौंद कर उनके जीवन से खिलवाड़ करते रहेंगे। जो भी हो इन सुसाइड मामलों की गंभीरता से जांच करानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

उमेश चतुर्वेदी

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका संघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री ह्यधरती का बेटाह्व यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है।

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा अ जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कारर्वाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।
~~~~~~~~~

जांघों में खुजली क्यों होती है?

गर्मियों में पसीना बढ़ने के साथ शरीर में खुजली की समस्या आम हो जाती है। खासकर जांघों के बीच होने वाली खुजली कई बार असहज स्थिति पैदा कर देती है। अक्सर लोग इसे साधारण समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर के अंदर की कमी या इंफेक्शन का संकेत भी हो सकती है। इसलिए इसका सही कारण समझना बेहद जरूरी है।

जांघों में खुजली के मुख्य कारण

जांघों में खुजली कई वजहों से हो सकती है। सबसे आम कारण ज्यादा पसीना आना है, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया या फंगस पनपने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी एक बड़ी वजह है, जो खासकर गर्म और नम जगहों पर जल्दी फैलता है। टाइट कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ होती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ जाती है। अगर अंडरवियर समय पर नहीं बदला जाए या साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए, तो भी यह समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी खुजली का कारण बन सकती है।

किस विटामिन की कमी से होती है खुजली?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जांघों में खुजली का एक अहम कारण विटामिन क्ककी कमी हो सकता है। खासतौर पर विटामिन क्2, क्6 और क्12 की कमी से त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है। जब त्वचा में नमी कम हो जाती है, तो उसमें खुजली, जलन और रूखापन बढ़ने लगता है। इसलिए शरीर में इन विटामिन्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी है, ताकि त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आयुर्वेद के अनुसार कारण

आयुर्वेद में खुजली को 'कंडू' कहा जाता है। इसके अनुसार यह समस्या शरीर में पित्त और कफ दोष के असंतुलन की वजह से होती है। जब हम ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या मीठा खाना खाते हैं, तो यह असंतुलन और बढ़ जाता है। इसका असर त्वचा पर दिखने लगता है और खुजली की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए संतुलित और हल्का भोजन करना फायदेमंद होता है।

खुजली से राहत पाने के आसान उपाय

खुजली से राहत पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। नहाने के पानी में नीम के पत्ते उबालकर मिलाने से त्वचा के बैक्टीरिया खत्म होते हैं और खुजली में आराम मिलता है। सही खानपान भी बहुत जरूरी है। डाइट में विटामिन से भरपूर फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि शरीर की इम्युनिटी मजबूत रहे। नारियल तेल और एलोवेरा जेल को मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली कम होती है। इसके साथ ही हमेशा साफ और ढीले कपड़े पहनें, रोज अंडरवियर बदलें और शरीर को सूखा रखने की कोशिश करें, ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो सके।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहती है या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर इलाज किया जा सके।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक 'पोषण का खजाना' माना गया है। ये छोटे-छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है। तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति मिर्गी, आघात या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार-बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार-बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।

ज्यादा काम या थकान

बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार-बार जम्हाई आना

चक्कर आना

कमजोरी महसूस होना

ध्यान लगाने में परेशानी

सोचने-समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार-बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे-छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

गले के कैंसर की शुरुआत किन वजहों से होती है?

5 कारण जरूर जानें

गले का कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य गले की समस्या जैसे लगते हैं, इसलिए लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसके संकेत पहचान लिए जाएं, तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

गले में कैंसर कैसे शुरू होता है?

गले का कैंसर तब शुरू होता है जब गले की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक गले में जलन, संक्रमण या लगातार नुकसान की वजह से विकसित हो सकती है। शुरुआत में यह समस्या साधारण इंफेक्शन जैसी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है।

लगातार गले में खराश रहना

अगर गले में खराश या दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमतौर पर लोग इसे सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शुरुआती संकेत हो सकता है।

आवाज में बदलाव आना

गले के कैंसर की शुरुआत में आवाज भारी या बदल जाती है। यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है और दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं होता। अगर आवाज लगातार बदल रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्दन या गले में गांठ बनना

गले या गर्दन में किसी भी तरह की सूजन या गांठ का बनना चिंता का विषय हो सकता है। अगर यह गांठ समय के साथ कम न हो और लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खांसी में खून आना

अगर खांसी के दौरान खून आने लगे, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। गले में दर्द के साथ खून आना सामान्य बात नहीं है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

गले में लगातार जलन या असहजता

गले में लंबे समय तक जलन, खिंचाव या कुछ अटका हुआ महसूस होना भी शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकता है। यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

गले के कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर कोई भी लक्षण लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गले का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन इसके शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। लगातार गले में परेशानी, आवाज में बदलाव या गांठ जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से जांच करवाएं।

सिगरेट की कश कहीं ले न ले आपकी जान, एक्सीडेंट और हार्ट अटैक से ज्यादा स्मोकिंग से मर रहे लोग

धूम्रपान वास्तव में बहुत हानिकारक है। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं। यहां तक ??कि धूम्रपान करने वाले भी मानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यह कितना नुकसानदायक है। हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या शराब, मादक पदार्थों के सेवन, कार दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और हत्याओं से होने वाली कुल मौतों की संख्या से कहीं अधिक है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इसके सेवन से हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और खैनी जैसी आदतें कई देशों में आम बनी हुई हैं।

सिगरेट क्यों है इतना खतरनाक-सिगरेट में निकोटिन और कई जहरीले रसायन होते हैं जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिगरेट से क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मुंह में संक्रमण, दांतों का पीला पड़ना और मसूड़ों की बीमारी भी तंबाकू का बड़ा असर है।

पैसिव स्मोकिंग भी है खतरनाक – सिर्फ सिगरेट पीने वाला ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोग भी सेकेंड हैंड स्मोक के कारण प्रभावित होते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका असर और भी गंभीर हो सकता है। सिगरेट छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन संभव जरूर है। इसके लिए काउंसलिंग और मेडिकल सहायता, निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी, परिवार और समाज का समर्थन बहुत मददगार हो सकता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 852 , निफ्टी 205 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट अमेरिक और ईरान के बीच तनाव को देखते हुए दुनिया कर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी नाकाबंदी से भी कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है। आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंक फिसलकर 77,664 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 205.05 अंक नीचे आकर 24,173.05 पर पहुंच गया।आज सेंसेक्स 77,574.18 के सबसे निचले स्तर पर वहीं निफ्टी 243 अंक गिरकर 24,134.80 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस प्रकार केवल दो सत्रों में सेंसेक्स करीब 1,600 अंक तक गिर गया है। आज सत्र के दौरान, व्यापक बाजार सूचकांक गिरे हैं। वहीं पिछले सत्र में बाजार में गिरावट के बावजूद व्यापक सूचकांक लाभ पर बंद हुए थे। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में जहां 0.67 फीसदी की गिरावट रही। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.41 फीसदी की गिरावट आई।

क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी ऑटो में 2.35 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 2.19 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.83 फीसदी, और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.38 फीसदी रही।आज निफ्टी के सिप्ला, अदाणी इंटरप्राइजेज, कोल इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल, अदाणी पोर्ट्स, ओनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। दूसरी ओर , श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस, एसबीआई लाइफ, टीएमपीवी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।होर्मुज जलडमरूमध्य की जारी नाकाबंदी के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 604.76 अंक की गिरावट के साथ 77,911.73 पर खुला।

एमपीसी की बैठक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के आर्थिक प्रभावों पर केंद्रित रही

ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और अल नीनो का जोखिम प्रमुख चिंताएं बनीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अप्रैल बैठक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के आर्थिक प्रभावों पर केंद्रित रही। समिति ने सर्वसम्मति से नीतिगत रीपो दर को अपरिवर्तित रखने और अनिश्चितता के बीच तटस्थ नीतिगत रुख बनाए रखने पर सहमति जताई। एमपीसी सदस्यों ने वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर संभावित चुनौतियों, विशेषकर चालू खाते के घाटे (केड) में वृद्धि और मुद्रास्फीति दबावों पर गहरी चिंता व्यक्त की। एमपीसी सदस्यों ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कई चुनौतियों की ओर इशारा किया, जिनमें निर्यात पर प्रभाव, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में बाधा, ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, धन प्रेषण में कमी तथा वैश्विक मांग का कमजोर पड़ना शामिल हैं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्वीकार किया कि आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान वृद्धि के लिए नकारात्मक और मुद्रास्फीति के लिए सकारात्मक जोखिम पैदा करते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है और इन झटकों को सहन करने में सक्षम है। अस्थायी युद्धविराम की घोषणा के मद्देनजर, उन्होंने निर्णायक कदम उठाने से पहले प्रतीक्षा और निगरानी के विवेकपूर्ण दृष्टिकोण का समर्थन किया। प्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने भविष्य की नीतिगत कार्रवाई को डेटा-आधारित रखने और अर्थव्यवस्था की उत्पादक आवश्यकताओं का समर्थन करने पर जोर दिया। आंतरिक सदस्य इंद्रनील भट्टाचार्य ने आपूर्ति-जनित मुद्रास्फीति को कम करने में मौद्रिक नीति की सीमित क्षमता पर प्रकाश डाला, जबकि बाहरी सदस्य राम सिंह ने चेतावनी दी कि संघर्ष भारत के गोल्डीलॉक्स स्थिति (कम मुद्रास्फीति और उच्च वृद्धि) को उलट सकता है। एक अन्य बाहरी सदस्य सौगत भट्टाचार्य ने अल नीनो की संभावित शुरुआत और बढ़ती मुद्रास्फीति अपेक्षाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनिश्चितता अभी भी अधिक है, जिससे भारत का भुगतान संतुलन और व्यापार प्रभावित होने की संभावना है।

मदर डेरी का 27 तक 24,000 करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

डेरी ब्रांड मदर डेरी ने वित्त वर्ष 27 तक अपने राजस्व को 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है, जो 20 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। कंपनी अपनी देशव्यापी उपस्थिति को मजबूत करने और गर्मी के सीजन का लाभ उठाने की योजना बना रही है। मदर डेरी के एक अे धिकारी के अनुसार कंपनी दिल्ली से बाहर अपनी मौजूदा 37 फीसदीस्सेदारी को बढ़ाकर 43-45 फीसदी करना चाहती है, जिसमें बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे नए क्षेत्र शामिल होंगे। वित्त वर्ष 26 में 20,300 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करने वाली मदर डेरी, अब अपनी दूध उत्पादन क्षमता को प्रतिदिन 60 लाख लीटर से बढ़ाकर 70 लाख लीटर करेगी। इसके लिए बिहार में दो और उत्तराखंड में एक नया संयंत्र तीन महीने में चालू होगा। उत्तर प्रदेश में तीन संयंत्रों का अधिग्रहण भी किया गया है, जिससे विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

34 किस्म की कारों पर 50 हजार से लेकर 3.5 लाख तक छूट

-आगे और भी छूट की संभावना

ऑटो सेक्टर में महंगाई की मार

मुंबई।

ऑटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियां बड़ी छूट दे रही हैं। देश की तीन प्रमुख कार कंपनियों ने करीब 34 मॉडल्स पर 50 हजार रुपये से लेकर 3.5 लाख रुपये तक का डिस्काउंट घोषित किया है। इसमें एसयूवी, हैचबैक और सेडान सभी सेगमेंट शामिल हैं। बढ़ती महंगाई, ऊंची ब्याज दरें और मांग में कमी के कारण बिक्री प्रभावित हुई है, जिसके चलते कंपनियां ऑफर के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही हैं। डीलर्स के अनुसार आने वाले समय में और ज्यादा छूट मिलने की संभावना है, खासकर पुराने स्टॉक को क्लियर करने के लिए। इससे

ग्राहकों को सस्ती कीमत पर गाड़ी खरीदने का अच्छा मौका मिल रहा है।

भारतीय बंदरगाह वैश्विक लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक हब बनने को तैयार

2047 तक शीर्ष 5 शिपबिल्डिंग देशों में शामिल होने का लक्ष्य

नई दिल्ली । केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव विजय कुमार ने घोषणा की है कि भारत के बंदरगाह अब केवल कार्गो आवाजाही के केंद्र नहीं, बल्कि एकीकृत लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक हब के रूप में तेज़ी से विकसित हो रहे हैं। उन्होंने सिंगापुर में वैश्विक निवेशकों को संबोधित करते हुए भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का अभिन्न अंग बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। सचिव कुमार ने बताया कि 2013-14 से बंदरगाहों की कार्गो हैंडलिंग क्षमता दोगुनी होकर 2,771 मिलियन टन प्रति वर्ष हो गई है। सरकार ने 2030 तक इसे 3,500 एमटीपीए और 2047 तक 10,000 एमटीपीए तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में प्रमुख बंदरगाहों ने 915 मिलियन टन का रिकॉर्ड कार्गो संभाला। भारत 2047 तक दुनिया के शीर्ष 5 जहाज निर्माण देशों में शामिल होने की तैयारी में है। अगले 15 वर्षों में लगभग 2.2 लाख करोड़ रुपये की लागत से 437 जहाजों की मांग पूरी करने की योजना है, जिसके लिए 34 जहाजों के टेंडर पहले ही जारी हो चुके हैं। सीएमए सीजीएम और रेड्रीएट स्टेनरसन जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के भारतीय शिपयार्ड को दिए गए बड़े ऑर्डर वैश्विक विश्वास को दर्शाते हैं। सतत विकास पर जोर देते हुए, भारत का समुद्री क्षेत्र ग्रीन पोर्ट, ग्रीन फ्यूल और ग्रीन वेसल्स पर केंद्रित है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत कांडला, पारादीप और तूतीकोरिन बंदरगाहों को ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। बैठक के दौरान हुए सात महत्वपूर्ण बिजनेस-टू-बिजनेस समझौते भारत के समुद्री क्षेत्र में बढ़ते वैश्विक भरोसे और निवेश की संभावनाओं का संकेत हैं।

रियल एस्टेट में रिकॉर्ड पूंजी प्रवाह, पहली तिमाही में 5.1 अरब डॉलर निवेश

72 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ 2026 की पहली तिमाही में ऐतिहासिक उछाल

नई दिल्ली।

देश के रियल एस्टेट क्षेत्र ने 2026 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 5.1 अरब डॉलर का पूंजी निवेश आकर्षित किया है। यह सालाना आधार पर 72 प्रतिशत (2025 की पहली तिमाही के 2.9 अरब डॉलर से) और पिछली तिमाही की तुलना में 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय रियल एस्टेट के बुनियादी आधार में संस्थागत निवेशकों के लगातार बढ़ते भरोसे को उजागर करता है। रियल एस्टेट परामर्श फर्म सीबीआरई साउथ एशिया ने यह जानकारी दी है। सीबीआरई के आंकड़ों के अनुसार यह अब तक किसी भी तिमाही में हुआ सर्वाधिक पूंजी निवेश है। मुख्य रूप से डेवलपर इस प्रवाह के अग्रणी रहे, जिनके बाद रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कुल इक्विटी निवेश में घरेलू निवेशकों का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी 96 प्रतिशत थी। इनमें डेवलपरों का हिस्सा 42 प्रतिशत और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का 40 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का निवेश 2 अरब डॉलर के पार पहुंच गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में कई गुना वृद्धि है। यह पूंजी प्रवाह मुख्य रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और जमीन/विकास स्थलों के अधिग्रहण में केंद्रित रहा, जिनकी कुल निवेश में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी थी। जमीन अधिग्रहण का 73 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मिले-जुले उपयोग और आवासीय परियोजनाओं में लगाया गया, जबकि शेष कार्यालय,

वेयरहाउसिंग और आतिथ्य-सत्कार विकास में गया। सीबीआरई के एक अे धिकारी ने मजबूत आर्थिक ढांचे और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की गतिविधियों में वृद्धि को उत्साहजनक बताया, जो एक परिपक्व होते बाजार का संकेत है। उन्होंने भविष्य में विदेशी पूंजी के जोरदार वापसी की उम्मीद जताई। वहीं, सीबीआरई के एक अन्य अे धिकारी ने गुणवत्तापूर्ण ऑफिस स्पेस और मिश्रित उपयोग व आवासीय विकास के लिए भूखंड अधिग्रहण में बढ़ती प्राथमिकता पर जोर देते हुए बाजार के मजबूत दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य के निवेश को प्रतिफल-केंद्रित आय वाली परिसंपत्तियों और उच्च-वृद्धि के अवसरों के बीच रणनीतिक संतुलन से परिभाषित होने की उम्मीद जताई।

सरकार ने सिलेंडर जमाखोरी पर बढ़ाई सख्ती

सरकारी नियम के तहत कट सकता है कनेक्शन और लग सकता है भारी जुर्माना!

नई दिल्ली ।

मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है, जिसका सीधा असर घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता पर दिख रहा है। सप्लाई धीमी होने और मांग बढ़ने के कारण कई उपभोक्ता घरों में अतिरिक्त सिलेंडर जमा करने लगे हैं।

इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने अब एलपीजी सिलेंडर के स्टॉक पर सख्ती बढ़ा दी है। सरकार की जमाखोरी पर नजर आपूर्ति में कमी और संभावित जमाखोरी को देखते हुए, सरकार ने अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर के स्टॉक संबंधी नियमों को कड़ा कर दिया है। नियमों के मुताबिक, एक घरेलू उपभोक्ता एक निश्चित संख्या में ही सिलेंडर रख सकता है। तय सीमा से अधिक सिलेंडर पाए जाने पर इसे नियम का उल्लंघन माना जाएगा। सामान्य घरेलू एलपीजी कनेक्शन पर उपभोक्ताओं को आमतौर पर दो सिलेंडर रखने की अनुमति होती है, एक उपयोग में और दूसरा बैकअप के लिए।

इससे अधिक सिलेंडर रखना नियमों का उल्लंघन है,

हालांकि, विशेष परिस्थितियों में संबंधित विभाग से अनुमति लेकर अतिरिक्त सिलेंडर रखे जा सकते हैं। नियम तोड़ने पर गंभीर परिणाम नियमों का उल्लंघन करने पर उपभोक्ता का कनेक्शन रद्द किया जा सकता है और सिलेंडर जब्त किए जा सकते हैं। स्थिति की गंभीरता के अनुसार जुर्माना भी लगाया जा सकता है। जमाखोरी या गलत इस्तेमाल के मामलों में पुलिस कार्रवाई, भारी जुर्माना और यहां तक कि जेल की सजा भी हो सकती है।

एलपीजी के अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण सुरक्षा और कालाबाजारी रोकने के लिए भी इन सख्त नियमों का पालन अनिवार्य है।

मारुति सुजुकी ने 2025-26 में रिकॉर्ड उत्पादन किया दर्ज

नई दिल्ली ।

मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 में 23.4 लाख इकाई का अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि वाहन विनिर्माता संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार वह 23.4 लाख इकाई का उत्पादन करने वाली भारत की एकमात्र यात्री वाहन विनिर्माता है। मोटर वाहन विनिर्माता ने कहा कि वह सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की वैश्विक मोटर वाहन विनिर्माण इकाइयों में इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने वाली एकमात्र कंपनी भी बन गई है।

आपदाएं अब आर्थिक चुनौती, लचीलापन उत्पादकता बढ़ाने वाला निवेश अनुराधा डाकुर

नई दिल्ली ।

आर्थिक मामलों के विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर ने चेतावनी दी है कि आपदाएं अब केवल पर्यावरणीय चिंताएं नहीं, बल्कि वित्त मंत्रालयों के लिए गंभीर आर्थिक और विकासात्मक चुनौती बन गई हैं। सेंटर फॉर डिजास्टर रेजिलेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) सम्मेलन में उन्होंने यह बात कही। अनुराधा ठाकुर ने स्पष्ट किया कि क्षतिग्रस्त सड़कें, बाधित बिजली प्रणालियां और बाढ़ग्रस्त शहरी नेटवर्क सीधे तौर पर आर्थिक विकास में कमी, सार्वजनिक बजट पर दबाव और आजीविका में बाधा डालते हैं। उन्होंने कहा कि आपदाएं अब चिंताओं से बढ़कर मुख्य नीतिगत अनिवार्यताएं हैं, खासकर जब पिछले पांच दशकों में वैश्विक घटनाओं में लगभग पांच गुना वृद्धि हुई है।

सचिव ने जोर दिया कि लचीलापन आर्थिक रूप से समझदारी भरा है, क्योंकि शुरुआती सुदृढ़ीकरण से दीर्घकालिक लागत घटती है और व्यवधान टलते हैं। यह सिर्फ सुरक्षा उपाय नहीं, बल्कि उत्पादकता बढ़ाने वाला निवेश है। उन्होंने राष्ट्रीय बजट की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु सार्वजनिक वित्त में सक्रिय आपदा जोखिम वित्त ढांचों को शामिल करने का भी आह्वान किया।

ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर के बावजूद स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान ने दो टैंकरों को अपने कब्जे में ले लिया, जिससे वैश्विक तेल बाजार में हड़कंप मच गया और ब्रेंट क्रूड की कीमतें 102 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं। इस रणनीतिक मार्ग के लगभग बंद होने से फारस की खाड़ी के प्रमुख उत्पादकों के निर्यात में भारी गिरावट आई है, जिससे वैश्विक आपूर्ति का डर बढ़ गया है। अमेरिकी नाकेबंदी को ईरान ने सीजफायर का उल्लंघन बताया है। ईरान के विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया है कि जब तक यह उल्लंघन जारी रहेगा, बातचीत संभव नहीं है। इनसे सीजफायर टूटने और युद्ध के दोबारा छिड़ने का खतरा बढ़ गया है, क्योंकि शांति वार्ता की संभावना क्षीण है। एलएसईजी डेटा के अनुसार, पहले के 100 से अधिक जहाजों के मुकाबले अब केवल 8 जहाज ही यहां से गुजर रहे हैं, जो व्यापारिक ठहराव दर्शाता है। पूर्व में वैश्विक कच्चे तेल की लगभग 20 फीसदी आपूर्ति हॉर्मुज से होती थी। मौजूदा व्यवधान से आपूर्ति सामान्य होने और तेल के रिफाइन होने में महीनों लग सकते हैं।

चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल में 28 रुपए तक उछाल संभव

कच्चे तेल की कीमतों में आग से भारतीय रिफाइनरियों को 27,000 करोड़ मासिक नुकसान

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिसका असर अब भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ेगा एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिफाइनरियां मासिक 27,000 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही हैं। यह भारी घाटा संकेत देता है कि आगामी विधानसभा चुनावों के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 25 से 28 रुपये प्रति लीटर तक की बड़ी वृद्धि संभव है। वर्तमान में ईंधन की कीमतें चुनावी सीजन के कारण स्थिर हैं, लेकिन कच्चे तेल की वैश्विक लागत और खुदरा मूल्य के बीच का अंतर असहनीय हो गया है। मध्य पूर्व में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक घेराबंदी जैसी वैश्विक स्थितियों के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित है, जिससे भारत का कच्चे तेल का आयात बिल प्रतिदिन 190-210 मिलियन डॉलर बढ़ रहा है। बाजार के जानकारों का कहना है कि यह बढ़ोतरी एक साथ न होकर, आम जनता को महंगाई के झटके से बचाने के लिए स्टैगर्ड अप्रोच के तहत किस्तों में की जाएगी। सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती और निर्यात पर विंडफॉल टैक्स जैसे आंशिक उपाय किए हैं, लेकिन ये स्थायी समाधान नहीं हैं, और रिफाइनरियों को लंबे समय तक यह घाटा उठाना मुश्किल है।

टेस्ला का भारत में बिक्री से पहले बुनियादी ढांचा मजबूत करने पर जोर

फास्ट चार्जिंग, घरेलू समाधान और बेहतर सेवा पर प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

टेस्ला भारत में अपनी इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री बढ़ाने से पहले एक मजबूत और व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसमें फास्ट-चार्जिंग नेटवर्क, घरेलू चार्जिंग समाधान और बेहतर सेवा क्षमताएं शामिल हैं, ताकि देश में ईवी अपनाने की राह में आने वाली ढांचागत बाधाओं को दूर किया जा सके। कंपनी का मानना है

कि भारतीय बाजार अभी इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के शुरुआती चरण में है, जहां उपभोक्ताओं में रेंज एंजाइटी (बैटरी खत्म होने की चिंता) और सर्विस सपोर्ट एक बड़ी चुनौती है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026 में भारत के यात्री वाहन बाजार में ईवी की हिस्सेदारी मात्र 4.2 फीसदी रही, जो इस सेगमेंट के शुरुआती दौर में होने का संकेत है। इसी अवधि में टेस्ला ने केवल 342 यूनिट्स बेचीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कंपनी का जोर तत्काल बिक्री बढ़ाने पर नहीं है। फिलहाल, टाटा मोटर्स (78,000 से अधिक यूनिट्स) जैसे पारंपरिक निर्माता इलेक्ट्रिक यात्री वाहन खंड में हावी हैं, जो किफायती ईवी की मजबूत मांग को दर्शाता है। हालांकि टेस्ला का मानना है कि भारत में ईवी को व्यापक रूप से अपनाने के लिए स्वामित्व अनुभव को बेहतर बनाना सबसे अहम है। इसी रणनीति के तहत कंपनी ने 61,99,000 रुपये की कीमत पर टेस्ला मॉडल वाई को लॉन्च किया है, जिसका लक्ष्य देश में तेजी से बढ़ते प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करना है। कंपनी का ध्यान एक ऐसा सशक्त अनुभव बनाने पर है जो बैटरी खत्म होने की चिंता को कम करे और ग्राहकों को पूरी सुविधा प्रदान कर सके।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और टाइटंस का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटन्स से होगा। आरसीबी का लक्ष्य घरेलू मैदान पर इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपने कदम बढ़ाना रहेगा। आरसीबी ने अब तक 6 मे से 4 मैच जीते हैं जिससे उसके 8 अंक हैं और टीम अंकतालिका में तीसरे नंबर पर है। इस सत्र में उसने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को आसानी से हराया, राजस्थान रॉयल्स से उसे हार मिली। इसके बाद मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स से वह जीती पर पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार गयी। आरसीबी के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी हैं। टीम की कप्तानी रजत पाटीदार कर रहे हैं। गेंदबाजी भी टीम की अच्छी है। उसके पास भुवनेश्वर कुमार जैसा गेंदबाज है। वहीं दूसरी ओर गुजरात का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उसने 6 में से 3 मैच जीते हैं, इससे उसके 6 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। उसे शुरुआत में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा जबकि दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स व कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उसे जीत मिली पर मुंबई इंडियंस से हार मिली। टीम के पास कप्तानी शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बल्लेबाज है। वहीं टीम के पास कई अच्छे गेंदबाज हैं जिनमें कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा हैं। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से दोनो ने ही 3-3 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी- रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी और सुयश शर्मा।

गुजरात टाइटन्स- शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मिल सकता है अकिब सहित कई युवा खिलाड़ियों को अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी,हर्ष दुबे, गुरनूर बराड़ सहित युवा खिलाड़ियों को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि चयनकर्ता भारतीय टीम के आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए। इस मैच के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। ऐस में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, विदर्भ के बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे, राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सूथार और पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इस टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल और नितीश कुमार रेड्डी को भी इस एकमात्र टेस्ट के लिए मौका मिलने की संभावना है। रेड्डी की तेज गेंदबाजी में हाल में आये सुधार को चयनकर्ताओं इस मैच में आजमाना चाहेंगे।

यह एकमात्र टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दायरे में नहीं आता है, जिसके कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन अपने मुख्य खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। आगामी सत्र भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, जिसमें डब्ल्यूटीसी 2025-27 के दूसरे हाफ और वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शामिल हैं। ऐसे में, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों को आराम दिए जाने की प्रबल संभावना है ताकि वे आगे के महत्वपूर्ण मैचों के लिए फिट रह सकें।

पूरन का विकेट लेते ही जडेजा ने अनोखे अंदाज में मनाया जश्न

लखनऊ । रविंद्र जडेजा के ऑलराउंड प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने यहां हुए मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को 40 रनों से हरा दिया।इस मैच में जडेजा ने 29 गेंदों पर 43 रन बनाने के बाद गेंदबी के दौरान निकोलस पूरन का महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम की जीत तय कर दी।पूरन को आउट करने के बाद जडेजा का जश्न मनाने का अंदाज सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। पूरन लखनऊ के सबसे अच्छे बल्लेबाज में से एक हैं।ऐसे में उनके आउट होते ही सुपरजायंट्स की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। पूरन को आउट करने के बाद जडेजा ने जेब में हाथ डालकर ये दिखाने का प्रयास किस कि मैच में अब उनको ही जीत मिलेगी।इसका कारण है कि पूरन क्रीज पर जमने लगे थे पर उनके आउट होते ही राजस्थान की जीत पक्की हो गई। पूरन 25 गेंद में 22 रन बनाकर पेवेलियन लौटे।इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स का शीर्ष क्रम असफल रहा।इसी कारण टीम 20 ओवर के खेल में 159 रन ही बना पाई। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम 120 रन ही बना पायी।सिर्फ 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। आयुष बडोनी, कप्तान ऋषभ पंत और एडेन मार्करम शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। केवल मिचेल मार्श ने ही 55 रन बनाये।

जहीर बोले, पहले टी20 टीम में जगह पक्की करने पर ध्यान दें श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के सितारे इस समय बुलंद हैं। उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं टीम लगातार जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों की ओर से ये मांग हो रही है कि श्रेयस को टी20 प्रारुप में भी भारतीय टीम की कप्तानी देनी चाहिये। हैं। वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि श्रेयस को फिलहाल कप्तानी के बारे में सोचने की जगह पर पहले भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने पर ध्यान देना चाहिए। जहीर के अनुसार, पहले टीम में जगह बनाना जरूरी है, कप्तानी अपने आप आ सकती है।

जहीर ने अय्यर को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर निरंतर ध्यान बनाए रखने की सलाह दी। उनके अनुसार, अगर अय्यर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते रहते हैं और टीम में अपनी स्थिति को मजबूत करते हैं, तो भविष्य में कप्तानी के लिए वह एक स्वाभाविक और मजबूत दावेदार बन जाएंगे। इसका कारण है कि निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और व्यक्तिगत प्रदर्शन का उच्च स्तर बनाए रखना किसी भी बड़े अवसर का मार्ग प्रशस्त करता है। जहीर ने इस युवा बल्लेबाज की सराहना करते हुए माना है कि उन्होंने अपनी टीम के लिए लगातार रन बनाए हैं और टीम की सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अय्यर ने पिछ्ले सत्र में भी 600 से अधिक रन बनाये थे।

वहीं इस सत्र में अब तक के 6 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक रन बनाये हैं1 अय्यर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी के साथ हीकुशल कप्तानी से भी लगातार छाये हुए हैं। वह आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। ऐसे में कई लोग उन्हें भविष्य के भारतीय कप्तान के रूप में भी देख रहे हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता का परिचायक है। हालांकि, यह राह आसान नहीं है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल के दिनों में प्रभावशाली सफलताएं हासिल की हैं, जिससे टी20 प्रारूप में कप्तानी के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है।

वोल्वार्ट की शतकीय पारी से दक्षिण अफीका ने भारत को नौ विकेट से रौंद श्रृंखला में बनाई अजेय बढ़त

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। कप्तान लौरा वोल्वार्ट (53 गेंदों में 115 रन) की आतिशी शतकीय पारी और पहले विकेट के लिए सुने लुस (42 गेंदों में नाबाद 64 रन) के साथ उनकी 92 गेंदों में 183 रन की साझेदारी के बूते दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की महिला टी20 श्रृंखला के तीसरे मुकाबले को 21 गेंद शेष रहते नौ विकेट से जीतकर श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (64) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 192 रन बनाए थे, लेकिन वोल्वार्ट की ताबड़तोड़ पारी ने इस बड़े स्कोर को भी बौना साबित कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने 16.3 ओवर में एक विकेट पर 193 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले वेस्ट इंडीज और इंग्लैंड ने क्रमशः 2023 और 2018 में ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ 212 और 198 रन के लक्ष्य हासिल किए थे।

इस श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही वोल्वार्ट ने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान को चौथे ओवर में 31 रन के निजी स्कोर पर स्मृति मंधाना ने कैच टपकाकर जीवनदान दिया। वोल्वार्ट को 85 रन के स्कोर पर दूसरा जीवनदान हरमनप्रीत ने कैच छोड़कर दिया। उन्होंने इन जीवनदानों का फायदा उठाते हुए अपनी पारी में 14 चौके और पांच छक्के जड़े और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह वोल्वार्ट का तीसरा शतक है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17 शतकों के साथ भारत की स्मृति मंधाना और ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की बराबरी कर ली। लुस ने भी छह चौकों और दो छक्कों की मदद से उनका अच्छा साथ दिया।

भारत के लिए श्रेयंका पाटिल ने वोल्वार्ट को आउट कर एकमात्र सफलता हासिल की लेकिन अन्य सभी गेंदबाजों ने काफी रन लुटाये। श्रृंखला में 0-2 से पीछे चल रही भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण था और बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। शेफाली वर्मा ने आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा, जबकि हरमनप्रीत ने 38 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन की तेज पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वोल्वार्ट ने पहली ही गेंद पर रेणुका सिंह के खिलाफ चौका जड़कर अपने तेवर दिखाए। उन्होंने दूसरे ओवर में काश्वी गौतम के खिलाफ तीन चौके लगाए। आक्रामक रवैये के साथ उन्होंने तीसरे ओवर में रेणुका के खिलाफ पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर पांचवें ओवर में लगातार गेंदों पर एक छक्का और दो चौके जड़कर 18 रन बटोरे। उन्होंने अरुंधति रेड्डी के खिलाफ चौके के साथ 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह इस प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका की महिला खिलाड़ी का सबसे तेज अर्धशतक है।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 72 रन बना लिए। अब तक एक छोर से संभलकर खेल रहीं लुस ने श्रेयंका पाटिल के खिलाफ छक्का और शेफाली वर्मा के खिलाफ चौका लगाकर रनगति को बरकरार रखा। टीम ने नौवें ओवर में ही 100 रन पूरे कर लिए। वोल्वार्ट ने 12वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ अपनी पारी का तीसरा छक्का जड़ा, जबकि लुस ने श्रेयंका के खिलाफ दो चौकों के साथ दबदबा बनाए रखा। वोल्वार्ट ने 14वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ शुरुआती दो गेंदों पर छक्का और चौका लगाने के बाद पांचवीं गेंद पर चौके के साथ 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इसी ओवर में लुस ने एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वोल्वार्ट शतक पूरा करने के बाद श्रेयंका की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हुईं, लेकिन तब तक टीम की जीत लगभग तय हो चुकी थी। इससे पहले शेफाली ने स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 68 रन जोड़कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई।

अभिषेक में हैं खास प्रतिभा : पुजारा

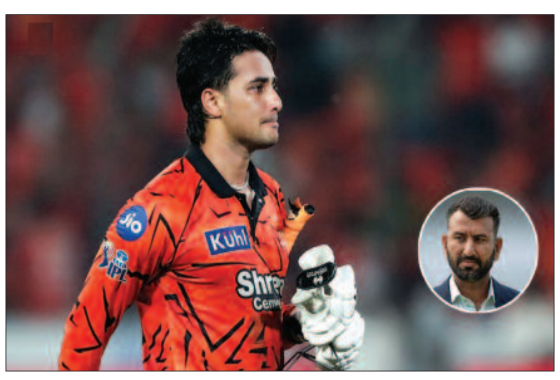

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा का मानना है कि अभिषेक में एक अलग तरह की प्रतिभा है जो उन्हें खास बनाती है।साथ ही कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने अब तक के मैचों में बल्लेबाजी की है। उससे ये साबित होता है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी अभिषेक ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे सभी हैरान हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक अपने खेल से टीम को जीत दिलाते हैं। पुजारा ने अभिषेक के दूसरे आईपीएल शतक और इस सत्र के उनके पहले शतक की जमकर तारीफ की। पुजारा ने कहा कि यह बल्लेबाज़ किस आसानी और सहजता से बड़े स्कोर खड़ा करता है।उन्होंने कहा, अभिषेक ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक और इस सत्र का पहला शतक बनाया। वह शतक बनाना आसान बना देते हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक का योगदान टीम के बेहद महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन अक्सर टीम के लिए जीत की राह बनाते हैं, क्योंकि वह बल्लेबाजी क्रम में सबसे ऊपर रहकर खेल पर गहरा प्रभाव डालते हैं। पुजारा ने अभिषेक की स्वाभाविक क्षमता और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जब वह किसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पूरी लय में होते हैं, तो उनकी क्लास साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा, जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी क्लास हर किसी को साफ दिखाई देती है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक जैसी प्रतिभा और क्लास होती है।

आर्चर रॉयल्य की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, चहल का रिकार्ड तोड़ा

लखनऊ (ईएमएस)।इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज बन गये हैं।आर्चर ने इसी के साथ ही युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा। चहल अभी तक रॉयल्स के सबसे अधिक 66 विकेट लिए थे पर अब ऑचर के नाम 68 विकेट हो गये हैं।आर्चर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यहां के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा विकेट विकेट लेते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है।आईपीएल में कुल मिलाकर आर्चर के नाम 70 विकेट हैं। उन्होंने कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए भी खेले हैं।इससे पहले उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए मैच खेले थे। रॉयल्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाद सिद्धार्थ त्रिवेदी काफी कम चर्चित हैं।साल 2008 से साल 2013 के बीच उन्होंने खेला था। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 61 विकेट निकाले हैं।वे इस टीम के लिए सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं।वहीं दिवंगत शेन वार्न ने रॉयल्स की ओर से 57 विकेट लिए हैं और वह पांचवे नंबर पर हैं।

सीनियर टीम से विश्वकप खेलना है वैभव का सपना

मुम्बई ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य सीनियर टीम से विश्कप खेलना है।वैभव ने पिछले माह अपना 15वां जन्मदिन मनाया और इसी के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए योग्य हो गए हैं।उन्हें आईपीएल के बाद जून में आयरलैंड के खिलाफ आईपीएल के बाद खेली जाने वाली सीरीज में चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं।वैभव का कहना है कि उन्हें आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी पसंद है। उनका कहना है कि वह हावी होकर खेलना चाहते हैं जिससे कि जब तक वो मैदान पर रहें विरोधी टीम पर दबाव बना रहे। उनका लक्ष्य प्रभावशाली प्रदर्शन कर मैच जीतना है।इसलिए जब तक वह क्रीज पर रहेंगे, तब तक वह दबदबा बनाए रखेंगे और उन्हें भरोसा है कि इस प्रकार से मैच विपक्षी टीम से छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि अभी मुझे सीनियर टीम से विश्वप कप खेलना है।हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह सीनियरों के लिए खेले और देश के जीत दिलाए।मेरा भी यही लक्ष्य है।' अब तक वैभव ने आईपीएल 2026 में छह पारियों में 246 रन बनाए हैं. जिसमें दो अर्धशतक और 78 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है।उनका औसत 41 है और स्ट्राइक रेट 236.54 है।कुल मिलाकर आईपीएल में उन्होंने 13 मैचों में 498 रन बनाए हैं, औसत 38.30 और स्ट्राइक रेट 220.35 है।इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ 101 रन की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ पारी भी शामिल है!

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह इटली को शामिल करें : जम्पोली

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विशेष दूत पाओलो जम्पोली ने विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) से कहा है कि वह जून में होने वाले विश्व कप में ईरान की जगह इटली को शामिल करें। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार से इटली के साथ अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं। उसको देखते हुए ही जम्पोली ने इस प्रकार का बयान दिया है जिससे की इटली सरकार की नाराजगी दूर हो सके।

जम्पोली ने कहा कि उन्होंने ट्रंप और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो दोनों को सुझाव दिया है कि विश्व कप में ईरान की जगह पर इटली को अवसर दिया जाना चाहिये क्योंकि वह कई बार विजेता रही है। जम्पोली ने कहा, मैं इटली का रहने वाला हूं, और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में इटली की राष्ट्रीय टीम को देखते हुए देखना चाहता हूं। इटली ने चार विश्व कप खिताब जीते हैं और ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में शामिल के लिए ईरान से कहीं बेहतर और योग्य है, इसके साथ ही उसका रिकार्ड भी काफी अच्छा है।

फीफा हालांकि इटली को शामिल नहीं कर सकता है, क्योंकि वह विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। इटली प्ले-ऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से पेनल्टी शूटआउट में हारकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही थी। यह किसी पूर्व विश्व चैंपियन के लिए एक अजीब स्थिति है।

वहीं ईरान ने लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है पर जिस प्रकार से उसका अमेरिका और इजरालय से संघर्ष चल रहा है। उसको देखते हुए उसके संयुक्त रुप से अमेरिका और मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्वकप में खेलने की उम्मीद नहीं है। ईरान ने और युद्ध शुरू होने के बाद से ही फीफा से अपनी टीम के तीन ग्रुप मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध भी किया था जिससे ठुकरा दिया गया है। इससे पहले, जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ट्रंप से मिले थे, तो उन्होंने कहा था कि ईरान को 2026 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए रोका नहीं जाएगा। दूसरी ओर ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली ने कहा थ किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा देश पर हवाई हमलों के बाद ईरान 2026 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकता।इसके बाद ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि ईरान टीम का विश्व कप में स्वागत है पर उनकी सुरक्षा की गारंटी नीं दी जा सकती। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा।

'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था', लखनऊ के खिलाफ मैच जिताऊ पारी पर बोले जडेजा

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)(एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा जबकि राजस्थान रॉयल्स 40 रनों की जीत के साथ फिर से जीत की राह पर लौट आई। राजस्थान के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपनी बैटिंग के तरीके, लखनऊ की पिच पर धीमी बॉलिंग करने और अपने पूरे ओवर क्यों नहीं फेंके इस सब पर बात की।

रवींद्र जडेजा ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया जिसमें 29 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाए और एक अहम विकेट लिया। वहीं जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर की तेज गेंदबाजी की जोड़ी की अगुवाई में अनुशासित बॉलिंग प्रदर्शन ने राजस्थान रॉयल्स को बुधवार को रूस्त्र के खिलाफ 40 रनों की जीत के साथ अपनी लगातार दो हार का सिलसिला तोड़ने में मदद की। अपनी बैटिंग के बारे में बात करते हुए जडेजा ने कहा, 'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था। LSG के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं, जो तेज गति और सही जगहों पर बॉलिंग कर रहे थे। यह लाल मिट्टी वाली पिच थी, इसलिए इसमें उछाल था, और गेंद में सीम भी मिल रही थी।'

जडेजा ने कहा, 'हमारे विकेट लगातार गिर रहे थे और हम कोई साझेदारी नहीं बना पा रहे थे। इसलिए डोनोवन और मैंने पारी को आखिर तक ले जाने के बारे में बात की। लेकिन टी20 क्रिकेट में एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए आपको बीच-बीच में जोखिम उठाते रहना पड़ता है। बदकिस्मती से, वह गलत समय पर आउट हो गए। मैं बस ओवरों का हिसाब लगा रहा था और मुझे पता था कि आखिरी ओवर शायद मयंक यादव फेंकेंगे।'

उन्होंने कहा, 'मैं बस उनकी गति का फायदा उठाना चाहता था, क्योंकि लेग-साइड की बाउंड्री छोटी थी और मिड-ऑफ और मिड-ऑन दोनों ही ऊपर थे। उनकी तीन गेंदें शॉर्ट थीं, और उन्होंने एक फुल गेंद फेंककर मुझे चकमा देने की कोशिश की, लेकिन किस्मत से, मैं उस पर भी चौका लगाने में कामयाब रहा। हमें वे 20 रन मिल गए, और एक टीम के तौर पर, जब आपके गेंदबाज़ों के पास बचाव के लिए कुछ अतिरिक्त रन होते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है।'

पहले बैटिंग करने के लिए कहे जाने पर ऋक्र ने जडेजा की 29 गेंदों में खेली गई 43 रनों की जुझारू पारी और शुभम दुबे की 19 रनों की तेज पारी की बदौलत 159/6 का स्कोर बनाया। एक छोटे स्कोर का बचाव करते हुए RR ने मेजबान टीम को 18 ओवर के अंदर 119 रनों पर ऑल आउट कर दिया और मैच 40 रनों से जीत लिया। जडेजा ने निकोलस पूरन का अहम विकेट भी लिया।

लखनऊ की उस पिच पर धीमी गेंदबाजी करने के बारे में इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जब मैं दिग्विजय राठी के खिलाफ बैटिंग कर रहा था, तो उनकी कुछ गेंदें पिच पर रुककर आ रही थीं। इसलिए, मैंने सोचा कि अगर मैं इस पिच पर धीमी गेंदबाजी करूं, तो मुझे भी कुछ मदद मिल सकती है। मैं मिच मार्श या पूरन, किसी को भी तेज गेंदबाजी नहीं देना चाहता था, क्योंकि वे बड़े हिटर हैं और बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते हैं। इसलिए, मैंने धीमी गेंदबाजी की, लेकिन मैं अपनी गति में बदलाव भी करना चाहता था, ताकि मैं आसानी से पढ़ा न जा सकूं। अगर वे एक या दो छक्के लगा देते, तो पहले से बना सारा दबाव खत्म हो जाता, जिससे जीत के लिए जरूरी रनों का अंतर कम हो जाता।'

पिच सीम गेंदबाजों की मदद कर रही थी, क्योंकि नांद्रे बर्गर (27/2), जोफ्रा आर्चर (20/3) और बृजेश शर्मा (18/2) ने कसी हुई गेंदबाजी की और LSG की बैटिंग लाइनअप को तहस-नहस कर दिया। जडेजा ने इस मैच में अपने चार ओवरों का कोटा पूरा किया जबकि पिछले कुछ मैचों में वे ऐसा नहीं कर पाए थे।

पिछले मैच में KKR के खिलाफ शानदार गेंदबाजी (तीन ओवरों में 8/2) करने के बावजूद वे उस मैच में अपने चार ओवर पूरे नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ मैचों में अपने ओवरों का कोटा पूरा न कर पाने के बारे में उन्होंने कहा, 'जब मैं मैदान पर आता हूं, तो मैं अपना निजी अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ आता हूं।'

जडेजा ने कहा, 'मैं बस इस बारे में सोचता हूं कि टीम मुझसे जिस भी तरह का योगदान चाहती है, मैं उसे पूरा करूं। जब बैटिंग की बात आती है, तो मैं इस मैच में पारी को आखिर तक ले जाना चाहता था, क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में कोई गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता, तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन पीछे रह जाते। ऐसे में LSG के लिए छोटे टारगेट का पीछा करना आसान हो सकता था। टी20 क्रिकेट में हर पिच, हर स्थिति और हर मैच का माहौल अलग होता है, इसलिए आपको उसी के हिसाब से खुद को ढालना पड़ता है। अगर किसी दिन टीम को लगता है कि किसी खास बैटर के खिलाफ मेरा मैच-अप नेगेटिव है, तो मैं उस बात को समझता हूं। हो सकता है कि यह काम कर जाए, या हो सकता है कि न करे; यह तो खेल का ही एक हिस्सा है।'

राजस्थान अभी पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है जिसके 7 मैचों में 10 पॉइंट्स हैं। अपने अगले मैच में शनिवार को उनका मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3868

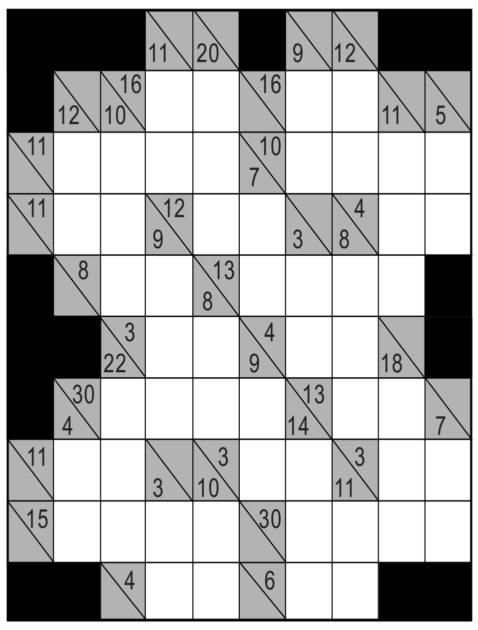

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

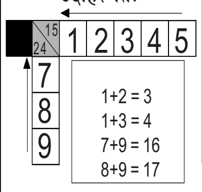

काकुरो - 3867 का हल

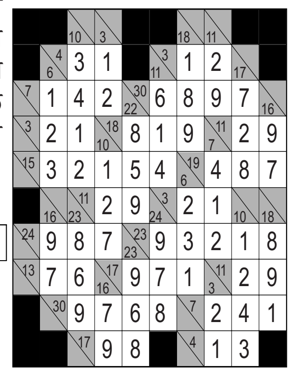

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3868

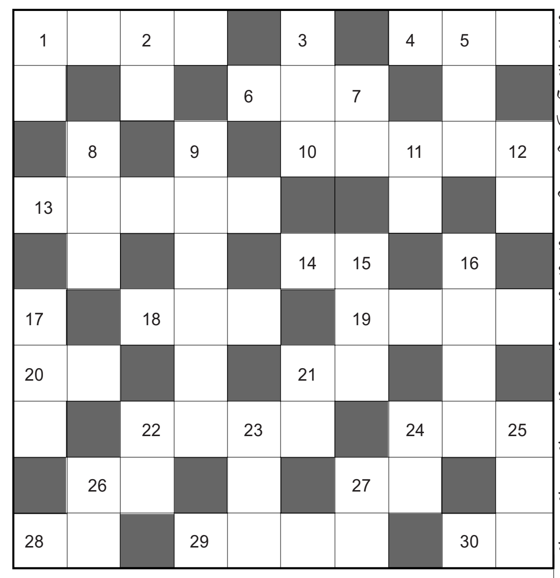

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3867

म	न	मं	दि	र		गु	म	श	ह
धु		थ		न	गी	ना		धि	
मं	हा	न	ता		त	ह	की	का	त
ती			क	र्ज			म		प
	अ	मृ	त		चा	ह	त		स्या
सं		त्यु		मु	नी	म		श	
ग्र	रै	दा		क्ति		श	जा	बा	बू
र्ष		ता	ल		आ	ज		ना	म
	कौ		गा	य	ब		जू		
खा	न	दा	न		रू	दा	ली		माँ

सूडोकु -3868

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3867 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3868

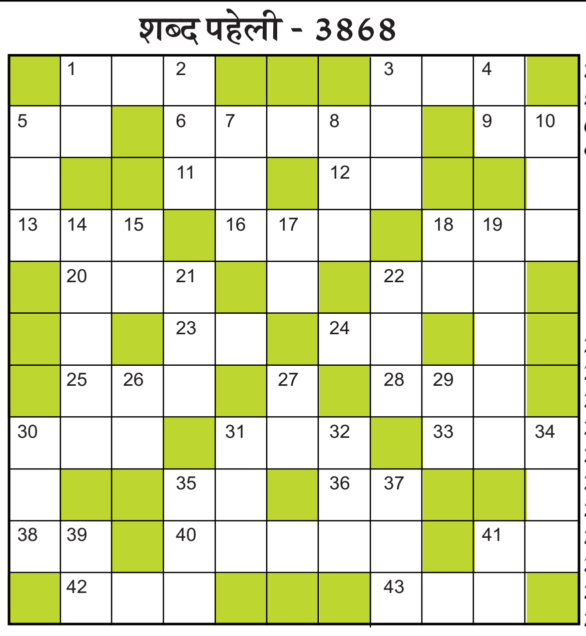

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -3867 का हल

का		बु	आ		द		स	ख्त		मु
र	क्त		कु	क	र	मु	त्ता		जा	ला
तू		म	ल		मि		धी	र		य
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म
	या				न				या	
रा	शी	क	र	ण		भा	र	ही	न	ता
	ल				टी				वे	
री	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना
इं		स	जा		मु		का	म		का
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	बि
र्स		गी	त		म		ना	नी		ल

साइनुसाइटिस

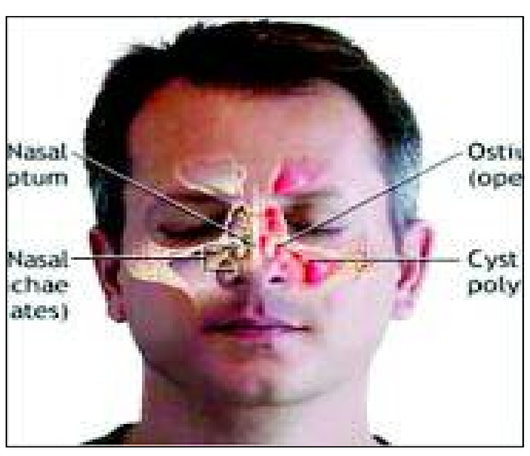

किसी भी संक्रमण से हुए सर्दी, नजला, जुकाम जब लंबे समय तक बने रहते हैं, तो वे साइनस की तकलीफ का रूप धारण कर लेते हैं। नाक की जड़ की हड्डियों के ढांचे में जो छिद्र होते हैं उन्हें साइनस के नाम से जाना जाता है। जब साइनस में श्लेष्मा अधिक देर तक जमा रहता है, तो इससे उनमें सूजन पैदा हो जाती है जिससे श्वास लेने में तकलीफ होती है, सर्दी-जुकाम जल्दी-जल्दी होने लगता है, नाक के पिछले भाग में भारीपन रहने लगता है, सिरदर्द लगातार बना रहता है, जिससे तनाव की अनुभूति होने लगती है। स्वाद और गंध को महसूस करने की शक्ति क्षीण हो जाती है।

रोग के उपचार के लिए बढ़े हुए श्लेष्मा को निकालना तथा साइनस पॉकेट्स की सफाई के साथ-साथ हल्के सेक और जल-नेति कराया जाता है। योगासनों के द्वारा शरीर की आंतरिक ऊर्जा में बढ़ोतरी हो जाती है। यौगिक उपचार में ताड़ासन, सूर्य नमस्कार [सभी के पांच-पांच चक्र], शवासन [पांच मिनट के लिए], पश्चिमोतानासन, शशांकासन, धनुरासन तथा भुजंगासन, प्राणायाम में सूर्यभेदी एवं भ्रस्त्रिका तथा षटकर्मों में कुंजल, जल नेति एवं कपाल भाति इसके लिए बहुत उपयोगी है। एक-दो दिन का उपवास आवश्यक है। अगर कब्ज हो, तो कब्ज टूटने तक एनिमा लें। पांच-सात दिन तक उबली शाक-सब्जी, सूखे मेवे, मौसमी फल और शहद लें। नित्य गाजर और आंवले के रस में शहद मिलाकर लें। दूध या डेयरी पदार्थों से परहेज करें। केवल गाय या बकरी के गर्म दूध में हल्दी डालकर लिया जा सकता है। पेडू पर गीली मिट्टी की पट्टी आधा घंटा रखें। प्रतिदिन दो बार चेहरे पर पांच से दस मिनट तक भाप दें। इस समय सिर पर ठंडा तौलिया रखना आवश्यक है। उसके बाद चेहरे को गीले तौलिए से पोंछ लें। रात को सोते समय पांवों को दस से पंद्रह मिनट के लिए गर्म पानी में रखें। यह क्रिया करते समय सिर पर ठंडा तौलिया जरूर रखें। गर्म पानी से पांव निकालने के तुरंत बाद आधा मिनट पांव ठंडे ताजे पानी में रखें। दिनचर्या को सात्विक बनाएं तथा विश्राम करें। इससे कुछ ही दिनों में इस रोग से पूर्ण निजात मिल जाएगा।

बनाएँ रखें नमक का संतुलन

चुटकीभर नमक की कमी व अधिकता खाने को बेस्वाद कर देती है, इसलिए नमक की मात्रा न कम हो न ज्यादा, बिलकुल सटीक हो। हम भोजन में नमक डालते हैं केवल इसलिए नहीं कि इससे स्वाद बनता है बल्कि इसलिए भी कि यह हमारे शरीर की जरूरत है। पर जैसे खाने में नमक की अधिकता भोजन को बर्बाद कर देती है, उसी प्रकार शरीर में नमक की कम मात्रा भी शरीर को नुकसान पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ती।

नमक (सोडियम क्लोराइड) हमारे शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने, मांसपेशियों व तंत्रिका तंत्र के सुचारु संचालन में मदद करता है। नमक हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। हमारे शरीर की खुराक केवल 500 मिलीग्राम नमक प्रतिदिन है। इसका मतलब लगभग एक चौथाई चम्मच। विशेषज्ञों के अनुसार जरूरत से ज्यादा मात्रा में नमक का सेवन अस्थि विकार का कारण भी बनता है, क्योंकि नमक और कैल्शियम एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं।

इससे कैल्शियम रक्त में समाहित होने की बजाए मूत्र के माध्यम से बाहर निकल जाता है। साथ ही नमक पानी एकत्र हो जाने की समस्या को और गहरा बना सकता है, जिसका सामना महावारी शुरू होने से पहले ज्यादातर महिलाएँ करती हैं। यह पैरों में ज्यादा मात्रा में तरल होने की समस्या पैदा कर सकता है, विशेषकर जब आप बैठे होते हैं। इसलिए जब भी आप फ्रेंच फ्राइच, पिज्जा, आलू चिप्स या चाइनीज फ्रूड खाते हैं तो आपके शरीर में चर्बी और नमक दोनों इकट्ठा होते हैं।

कोशिश करके नीबू की बजाए भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए तुलसी का रस, कालीमिर्च का पाउडर अथवा रोजमेरी का इस्तेमाल करें। इससे स्वाद के साथ समझौता किए बिना नमक की मात्रा में कटौती हो जाती है। इसके अलावा अजमोदा जैसे पदार्थ भी नमक की तलब को शांत करते हैं और चिप्स से तो कहीं बेहतर होते हैं। कुल मिलाकर कहें तो इसका यह मतलब नहीं है कि आप अपने पसंदीदा भोजन का त्याग कर दें।

मान लीजिए आप दोपहर में फास्ट फूड के लिए जा रहे हैं तो अपने रात के खाने में नमक की मात्रा कम करने की योजना पहले ही बना लें। विशेषज्ञों का यही कहना है कि अपने भोजन को संतुलित रखें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY
DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words
Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.
Special Page / Position Premium
Front Page (Semi) - 50%
Front Page (Solus) - 75%
Back Page - 25%
Page Three - 20%
Island Position - 50%
Right Hand Page - 10%
Top of AD Column - 15%
Any Other Spl. Position - 10%
Strip Advt. - 15%
Political Advt. - 50%
Pull Outs - 50%
Discount as per deal
Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.
Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

अविनाश तिवारी ने फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी पर जताई चिंता

अभिनेता अविनाश तिवारी जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आएंगे। आज इस फैमिली एंटरटेनर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। अविनाश का मानना है मौजूदा वक्त में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी है। एक्टर का कहना है कि 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जैसी फैमिली एंटरटेनर बनती रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह की फिल्मों की कमी क्यों है?

संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है

'गिन्नी वेड्स सनी 2' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अविनाश तिवारी से बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी के बारे में पूछा गया। इसके पीछे के कारणों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी फिल्में बन रही हैं और जो बन रही हैं वो हम जाकर देख भी रहे हैं और देखना भी चाहिए। लेकिन अगर मैं देखूं तो मुंबई में बहुत सारे प्रवासी हैं। लोग अलग-अलग जगहों से यहां आते हैं, दोस्तों और पार्टनर के साथ बाहर जाते हैं, इसलिए प्रवास के कारण संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है।

अविनाश के घर के बच्चों ने नहीं देखीं उनकी फिल्में

अभिनेता ने यह भी कहा कि टिकट की कीमतें भी हैं और हमने इस बैंडविड्थ में लोगों के लिए फिल्में बनाने के बारे में सोचना बंद कर दिया है। यहां तक कि अपने घर पर भी, मैंने अपनी भाभी से पूछा कि आपने बच्चों को मेरी कौन सी फिल्म दिखाई है। उन्होंने कहा, एक में तो तू पागल हो रहा है (लैला मजनू), एक में चुड़ैल आ गई (बुलबुल) तो ये बच्चे लोगों को कैसे दिखाएं। तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे अपने घर के बच्चे मेरी फिल्में नहीं देख रहे हैं। इसने मुझे काफी प्रभावित किया। मैं भी बहुत दिखावा कर रहा था कि बहुत अलग-अलग काम किए हैं मैंने।

अविनाश ने याद करते हुए बताया कि आखिरी फिल्म जो उन्होंने अपने परिवार के साथ देखी थी वह 2023 में आई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' थी। उन्होंने कहा कि उसके बाद कितना समय हो गया है कोई ऐसी फिल्म आए जिसे परिवार के साथ जाकर देख सकें। मुझे नहीं पता कि हम इस पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं। हम कहते हैं कि टिकट नहीं बिक रहे हैं, लेकिन अगर हम पारिवारिक फिल्म बनाएं, तो पूरा परिवार आने पर छह टिकट बिक जाते हैं। अगर मैं फिल्म बना रहा हूं, तो मैं इस बात पर ध्यान क्यों नहीं देता, यह विचार क्यों नहीं आता, मेरी समझ से बाहर है।

कुछ बुरा लगा तो अपने हिसाब से हैंडल करती हूं

साउथ इंडस्ट्री में रजनीकांत, कमल हासन और नागार्जुन जैसे तमाम सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुकी जानी-मानी एक्ट्रेस सिमरन बग्गा ने असल में करियर की शुरुआत बॉलीवुड की 'तेरे मेरे सपने' और 'सनम हरजाई' जैसी फिल्मों से की थी। हालिया समय में वह 'गुलमोहर' और 'रॉकेट्री-द नम्बी इफेक्ट' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्मों और ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री 'टूरिस्ट फैमिली' का अहम हिस्सा रहीं। सिमरन अब जल्द ही सनी देओल की 'गबरू' में नजर आएंगी।

कुछ अरसा पहले साउथ में हेमा कमेटी द्वारा मलयालम इंडस्ट्री में महिलाओं से जुड़ी यौन उत्पीड़न, शोषण, पे पेरिटी और शूटिंग पर बेसिक सुविधाओं जैसे मुद्दों पर खूब विवाद हुआ था। क्या आपको कभी सेट पर इस तरह की किसी समस्या से गुजरना पड़ा है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरी कोई इतनी डिमांड्स ही नहीं होती हैं। मुझे लगता है, सबका अपना - अपना नजरिया होता है। कई लोगों को सेन्सिटिविटी से बातें बुरी लग जाती हैं, तो वो आवाज उठाते हैं। हैं। हर इंसान का समस्याओं को डील करने का तरीका अलग-अलग होता है। जिन -जिन लोगों ने आवाज उठाई, उन्हें जरूर बुरा लगा होगा। उनके साथ वो नहीं होना चाहिए था, जो हुआ। अगर आप मेरे बारे में पूछें, तो अनुभव होते हैं, मगर मैं उन्हें अपने हिसाब से हैंडल करती हूं। मैं बहुत ही साफगो हूं, मैं सीधे जाकर उन लोगों से पूछ लेती हूं कि ऐसा क्यों हुआ? ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं उनको एहसास दिलाती हूं। उसकी जड़ तक जाना मुश्किल है, आप ज्यादा बवाल मचाओगे, तो आपको खुद को हर्ट होगा और सामने वाला और उछलेगा।'

नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्मों का हिस्सा

अपनी बात को जारी रखते हुए कहती हैं, 'मैंने बॉलीवुड में भी काफी काम किया है। मगर साउथ की फिल्में करने के बाद मैंने शादी की और फिर परिवार को भी बैलेंस करना जरूरी था। ओटीटी पर मैंने 'जिद्दी गर्ल' और 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट और 'गुलमोहर' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म भी की। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी जी का साथ मिला। 'रॉकेट्री-द नम्बी' जैसी फिल्म मेरे करियर की एक और उपलब्धि है, जो पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित रॉकेट वैज्ञानिक नंबी नारायणन की जिंदगी पर आधारित है। आर माधवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नम्बी नारायण की भूमिका आर माधवन ने की थी। मैंने फिल्म में मीना नम्बी नारायण का रोल किया था। इन फिल्मों ने हिंदी मनोरंजन जगत में मेरी पहचान पुख्ता की। 'टूरिस्ट फैमिली' भी मेरे दिल में खास जगह रखती है। यह फिल्म ऑस्कर के कन्टेंडर लिस्ट में शामिल थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी धमाल किया था। उम्र और करियर के इस मुकाम पर मैं बहुत खुश हूं कि ओटीटी के आने के बाद एक्ट्रेसेस के लिए किरदार लिखे जाने लगे हैं।

मदरहुड एक खूबसूरत जिम्मेदारी है

सिमरन घर-परिवार और काम को कैसे बैलेंस करती हैं? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे दो बेटे हैं, एक कॉलेज में और छोटा बेटा स्कूल में नाइंथ क्लास में है। मुझे काफी मल्टीटास्किंग करनी पड़ती है। शूटिंग के दौरान फोन के जरिए बच्चों और परिवार के टच में रहती हूं। मेरे परिवार का बहुत बड़ा सपोर्ट है और उनके बगैर कुछ भी संभव नहीं है। मदरहुड को चुनौतीपूर्ण कहूंगी , मगर साथ ही यह काफी खूबसूरत जिम्मेदारी भी है। पूरा दिन काम करने के बाद आपको घर जाने का इंतजार रहता है। घर जाकर आप पहला सवाल करते हैं, बेटा, तूने खाना खाया? कैसा था दिन?' मगर हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि अपनी फैमिली और करियर के बीच संतुलन बनाए रख पा रहे हैं। मैं तो हमेशा काम करना चाहती हूं। मुझे रिटायरमेंट बहुत डरावना लगता है।'

बॉलीवुड और साउथ में काम करने पर बोलीं सिमरन

बॉलीवुड से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सिमरन ने साउथ की हर भाषा में काम किया है। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत बॉलीवुड में 'तेरे मेरे सपने' से की थी। इस फिल्म का , 'ओ लड़की आंख मारे' काफी फेमस हुआ था। उससे पहले मैंने सावन कुमार टाक की 'सनम हरजाई' से डेब्यू किया था। मगर उस फिल्म के बाद मेरा रुख साउथ की तरफ मुड़ गया कर फिर मैं वही सेटल हो गई। अब मेरी आने वाली फिल्म 'गबरू' है और मैं उसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि इसमें मैं सनी देओल के साथ काम कर रही हूं।'

रजनी सर की बहुत बड़ी फैन हूं

तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम जैसी साउथ की सभी भाषों की फिल्मों में काम कर चुकी सिमरन साउथ के सुपरस्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में कहती हैं, 'मैंने कई स्टार्स के साथ काम किया है, मगर रजनी सर, कमल सर, नागार्जुन सर, जैसे लिविंग लेजेंड्स के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा। रजनी सर की सबसे बड़ी फैन हूं। वह सही मायनों में सुपर हीरो हैं। जब ये स्पाइडर मैन, सुपर मैन की फिल्में नहीं आई थी, वह तभी से सुपर हीरोज के एक्ट करते आ रहे हैं। मुझे याद है उनके साथ मेरी शूटिंग का पहला दिन था। आम तौर पर शूटिंग में जब हमारा सीन नहीं होता, तो हम मेकअप रूम या वैनिटी में जाकर बैठ जाते हैं, मगर उनके साथ शूट करते हुए मैं एक कोने में बैठ जाती थी और उनको देखती रहती थी कि वह इतने विनम्र और दयालु कैसे हैं? मैंने सेट पर उन्हें काफी स्टडी किया है।'

सलमान की अगली एक्शन फिल्म में हुई राजपाल यादव की एंट्री

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है। सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं सलमान और राजपाल यादव सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी 'मुझसे शादी करोगी' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा, 'राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

'एस्पिरेंट्स' की सफलता पर बोले अभिलाष थपलियाल

लॉकडाउन के दौरान आई सीरीज 'एस्पिरेंट्स' ने पहले ही सीजन से ऑडियंस के बीच जबरदस्त पहचान बना ली थी। 'एसके सर' का किरदार आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। 'अमर उजाला' से खास बातचीत में 'श्वेतकेतु' यानी अभिलाष थपलियाल ने बताया कि 'एस्पिरेंट्स' की सफलता के बाद अब कलाकारों की अपनी-अपनी वैनिटी वैन हो गई है। बातचीत में उन्होंने तापसी पन्नू, अनुराग कश्यप, रेडियो और अपने सफर को लेकर भी कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

'मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा हो जाएगा'

जब हम एस्पिरेंट्स का पहला सीजन कर रहे थे, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बन जाएगा। बस इतना पता था कि कहानी बहुत अच्छी है और UPSC की दुनिया पर आधारित है। उस समय यह बिल्कुल नहीं लगा था कि यह सीरीज लोगों के बीच इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। हमें तो यह भी नहीं पता था कि शो किस प्लेटफॉर्म पर आएगा। बाद में यह यूट्यूब पर रिलीज हुआ और लॉकडाउन के दौरान लोगों ने इसे खूब देखा। शायद यही वजह रही कि एस्पिरेंट्स धीरे-धीरे लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया। आज भी एयरपोर्ट, कॉलेज या कहीं भी जाऊं, लोग मुझे 'एसके सर' कहकर बुलाते हैं।

'मैं जमीन पर नागिन डांस कर रहा था... और एक सेकंड को लगा कि मैं फिट नहीं हूं'

पहले दिन सेट पर माहौल बहुत हल्का-फुल्का था। मैं तो मस्ती में जमीन पर नागिन डांस कर रहा था और सब हंस रहे थे। लेकिन उसी बीच एक ऐसा मजेदार और थोड़ा टफ मोमेंट भी आया, जो आज भी याद है। नवीन (को स्टार नवीन कस्तूरिया) ने मजाक-मजाक में डायरेक्टर से कहा, 'ये एसके लग नहीं रहा, किसी और को ट्राय करो।' अब वो मजाक था, लेकिन एक पल के लिए मुझे सच में लगा कि यार, कहीं मैं फिट तो नहीं बैठ रहा? ऐसे मोमेंट्स आपको और मेहनत करने के लिए धक्का देते हैं। बाद में वही किरदार लोगों को इतना पसंद आया कि आज सब मुझे 'एसके सर' के नाम से जानते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था अपनी भाषा और लहजे पर काम करना। मुझे एक ऐसे लड़के को निभाना था जो बिहार से है, लेकिन दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसमें बैलेंस बनाना था कि वो पूरी तरह देहाती भी न लगे और पूरी तरह शहरी भी नहीं। हमने इस पर काफी मेहनत की।

'सबसे बड़ा बदलाव बस इतना आया कि अब सबकी अपनी-अपनी वैनिटी वैन है'

तापसी बहुत पुरानी दोस्त है... लेकिन...'

तापसी का सपोर्ट मेरे लिए अलग इसलिए था, क्योंकि वो मेरी बहुत पुरानी दोस्त है। हम दोनों जब मुंबई में नए थे, तब से एक-दूसरे को जानते हैं। लेकिन दोस्ती से हटकर भी, एक कलाकार के तौर पर मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने हमेशा अलग और दमदार काम चुना है। ऑफ स्क्रीन भी वो वैसी ही हैं। बहुत साफ, बहुत सीधी। इंडस्ट्री में अगर मेरे करीबी दोस्तों की बात होगी, तो तापसी उनमें जरूर होंगी। मुझे पता है कि अगर मैं कभी उलझूं, तो वो मुझे घुमा-फिराकर नहीं, सीधी बात ही कहेंगी।

'पहली मुलाकात में ही मैंने कह दिया था कि मैं फिल्म छोड़ देता हूं'

तापसी पन्नू के साथ मेरी पहली ठीक-ठाक मुलाकात भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। यह 'दिल जंगली' की शूटिंग के दौरान हुआ, जब हम लंदन में थे। उस वक्त मैं नया था, छोटे-छोटे काम कर रहा था, रेडियो और स्केचेज की दुनिया से आ रहा था। तापसी उस फिल्म में भी अपने किरदार को लेकर बहुत सीरियस थीं। वह उन एक्टर्स में से हैं जो अपने रोल के लिए जो भी करना पड़े, वह करती हैं। उस फिल्म के लिए उन्होंने अपने लंबे बाल कटवा लिए थे। अब हुआ ये कि एक दिन वह सामने आईं और अचानक मुझसे पूछने लगीं, 'तुमने देखा? मैंने बाल कटवा लिए, कुछ बोलोगे नहीं?' और फिर न जाने कैसे बात मजाक से बहस में बदल गई। वह मुझे डांटने लगीं, मैं भी पलटकर जवाब देने लगा। कुछ ही देर में हम दोनों एक-दूसरे पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे।

'मुझे भी लंबे समय तक 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते रहे'

हमारी इंडस्ट्री की एक दिक्कत ये है कि वो बहुत जल्दी आपको एक खाने में डाल देती है। ये हीरो है, ये हीरो का दोस्त है, ये विलेन है, ये अमीर है, ये गरीब है... बस फिर उसी हिसाब से रोल आने लगते हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। शुरुआत में मुझे भी अक्सर 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते थे। दिक्कत रोल से नहीं होती, दिक्कत तब होती है जब लोग मान लेते हैं कि तुम बस इतना ही कर सकते हो। फिर धीरे-धीरे आपको खुद ही समझाना पड़ता है कि नहीं, मैं इससे ज्यादा भी कर सकता हूं। असली लड़ाई वहीं से शुरू होती है। क्योंकि लोग आपको जिस नजर से देखते हैं, जरूरी नहीं कि आप सच में वही हो।

वसुंधरा राजे के नाम पर फर्जी लेटर और वीडियो मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

-भोपाल और मोहाली से पकड़े गए आरोपी जयपुर लाए गए

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को मध्यप्रदेश और पंजाब से पकड़कर जयपुर लाया गया है। डीसीपी साउथ राजश्री राज ने मीडिया को बताया कि ज्योति नगर थाना पुलिस ने निखिल, बिलाल खान और इनाम अहमद को भोपाल से गिरफ्तार किया, जबकि अमृता धुमाल को मोहाली से हिरासत में लिया गया। चारों आरोपियों को बुधवार को जयपुर लाया गया, जहां उनसे पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के नाम से संघ प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित एक फर्जी पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल करने के लिए एआई तकनीक की मदद से वीडियो का रूप भी दिया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर की गई। पुलिस अब चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस कस्टडी की मांग करेगी, ताकि गहन पूछताछ के जरिए पूरे नेटवर्क और साजिश का खुलासा किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में और लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इससे पहले जांच में मध्यप्रदेश कनेक्शन सामने आने पर भोपाल पुलिस ने कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। इस कार्रवाई पर हरीश चौधरी और सांसद विवेक टांक ने सवाल उठाए थे। हरीश चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि कांग्रेस आईटी सेल के कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से हिरासत में रखना निंदनीय है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने इसे असहमति की आवाज दबाने और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए डिजिटल फॉरेंसिक जांच और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

झारखंड में दो नए चिड़ियाघर बनाने की योजना... 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास देने की तैयारी

रांची (एजेंसी)। झारखंड राज्य में दो नए चिड़ियाघर के निर्माण की प्रक्रिय जारी है। दुमका और गिरिडीह में प्रस्तावित चिड़ियाघर में 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास उपलब्ध करने की तैयारी है। इसके लिए देश के दूसरे वन प्रभाग और नेशनल पार्क से वन्य जीव लाए जाएंगे। इन जीवों को पहले दलमा और सारंडा के रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा। बता दें कि सारंडा में नई सफारी भी बननी है। हाथियों के लिए बनाए गए इन रेस्क्यू सेंटर पर बाहर से आए जीवों को झारखंड की जलवायु में ढलने का मौका मिलेगा। वन्यजीव विशेषज्ञ ने बताया कि बाघ, चीता जैसे वन्य जीव जल्दी दूसरे जीवों से घुलते मिलते नहीं हैं। नई जगह पर इन्हें आरामदायक माहौल नहीं मिलने पर इनकी मृत्यु तक हो जाती है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए चीते की मौत के बाद केंद्रीय वन्यजीव संस्थान ने इनके ट्रांसपोर्ट और रिहेब्लिटेशन (आवास) के मानदंड कड़े किए हैं। नए लाए वन्यजीवों को एकबार चिड़ियाघर में स्थानांतरित करने के बाद इनके चिकित्सा की व्यवस्था वहीं होगी। झारखंड सरकार ने वन्य जीव संस्थान से इसके लिए पशु चिकित्सालय स्थापित करने में तकनीकी सहायता मांगी है। दुमका और गिरिडीह में सात के करीब बाघ रखने की योजना विभाग बना रहा है। इसके अलावा रणथंभौर से चीते लाने के लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों से बात हुई है। विशेषज्ञों ने चिड़ियाघर में वन्यजीव के रहने के लिए प्राकृतिक आवास तैयार करने का निर्देश दिया है। मार्च में केंद्रीय वन्यजीव विशेषज्ञ ने दुमका और गिरिडीह के प्रस्तावित स्थलों का दौरा किया है। यहां साल के वृक्ष लगाने और बड़े चट्टानों को स्थाना करने की सलाह विशेषज्ञ ने दी है।

लुधियाना के स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

लुधियाना(एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना के स्कूलों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला है। फिलहाल चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल जारी होने के बाद स्कूलों ने अभिभावकों के ग्रुप में जानकारी शेयर कर पुलिस प्रशासन को सूचित किया है। स्प्रिंग डेल स्कूल ने बच्चों की छुट्टी कर दी। फिलहाल स्कूल में पुलिस की ओर से चैकिंग चल रही है। इसके पहले 10 मार्च को लुधियाना के कुछ स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, इस बात से हड़कंप मच गया था। सुबह करीब 7 बजे ई-मेल के जरिए सीबीएसई से संबंधित 3 स्कूलों को धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी।

जयपुर में बिजली के बॉक्स बनाने की फैक्ट्री में आग.... महिला मजदूर जिंदा जली

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बिजली के बॉक्स और इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री में आग लगी। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रही महिला मजदूर की जिंदा जल गई। वहीं दो अन्य झुलस गए। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फैक्ट्री में फायर सेफ्टी उपकरण भी नहीं थे। हादसा सुदर्शनपुरा इलाके में हुआ। बिजली इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री जेएमडी एंटरप्राइजेज के बेसमेंट में भीषण आग लग गई थी। इस दौरान बेसमेंट में रखे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में ब्लास्ट भी हुआ, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। घटना के समय फैक्ट्री में 7 मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि हादसे में गोमा देवी (47) निवासी यूपी की जलने से मौत हो गई। दो मजदूर अभिषेक (30) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी 22 गोदाम, मनोज मालाकर (42) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को एसएमएस हॉस्पिटल की बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है। यूनिट मालिक शशांक कटियार है। फैक्ट्री में जहां हादसा हुआ, वहां बिजली के उपकरण जैसे फैन बॉक्स, कंशिल्ड बॉक्स बनाए जाते थे। इसके लिए बेसमेंट में भट्टी जलाकर लोहे की चद्दर को काटकर कंशिल्ड और फैन बॉक्स का रूप दिया जा रहा था। भट्टी के साथ गैस सिलेंडर का उपयोग हो रहा था। बताया जा रहा हैं कि बेसमेंट में रखे पाउडर पोटिंग की भट्टी में लगे सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण आग लगी। वहीं बताया जा रहा है कि जब विस्फोट हुआ, उस दौरान कम्प्रेशर चालू था, जिससे आग भभक पड़ी। फैक्ट्री में 69 किलो एलपीजी गैस से भरे पांच सिलेंडर रखे थे। फायर फाइटर्स सबसे पहले सिलेंडरों को आग की लपटों से दूर लेकर गए।

अदालत को प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा

–सबरीमाला मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने क्यों किया 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का प्रयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मामले से जुड़े रेफरेंस की सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने अहम टिप्पणी कर 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का इस्तेमाल किया। यह टिप्पणी तब आई जब वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल अदालत में धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक प्रावधानों से जुड़े तर्क रख रहे थे और विभिन्न स्रोतों से विचारों का हवाला दे रहे थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता कौल ने दलील दी कि ज्ञान और विचार किसी भी माध्यम से आए हों, उन्हें पूरी तरह खारिज नहीं करना चाहिए। वे अखबार में प्रकाशित एक लेख और विभिन्न विचारकों के मतों का उल्लेख कर रहे थे, जिसमें धार्मिक मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि अदालत सभी विद्वानों और लेखकों का सम्मान करती है, लेकिन कोई भी लेख या व्यक्तिगत राय न्यायालय पर बाध्यकारी नहीं होती। तभी बहस के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने हल्के अंदाज में कहा, 'लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से नहीं,' उनकी इस टिप्पणी से संदेश दिया गया कि अदालत में केवल प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा किया जा सकता है, न कि अपुष्ट या सोशल मीडिया आधारित जानकारी पर।

मामले की पृष्ठभूमि में दाऊदी बोहरा समुदाय की ओर से दायर याचिका शामिल है, जिसमें धार्मिक बहिष्कार (एक्सकम्युनिकेशन) की प्रथा को चुनौती दी गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता कौल समुदाय की ओर से पेश हो रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 26(बी) के तहत धार्मिक संप्रदायों को अपने मामलों के प्रबंधन का अधिकार प्राप्त है और इसे हर स्थिति में अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत राज्य के सामाजिक सुधार कानूनों के अधीन नहीं माना जाना चाहिए। कौल ने तर्क दिया कि पहले के न्यायिक निर्णय, जैसे 'देवरू' फैसला, केवल मंदिर प्रवेश से जुड़े मामलों तक सीमित थे और उन्हें सभी धार्मिक अधिकारों पर लागू सामान्य सिद्धांत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने अनुच्छेद 25 और 26 के बीच संतुलित व्याख्या यानी 'हार्मोनियस कंस्ट्रक्शन' की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने स्पष्ट किया कि जब राज्य अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाता है, तो धार्मिक अधिकारों को पूर्ण और सर्वोपरि नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि ये अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन होते हैं, और इन्हीं आधारों पर सामाजिक सुधार संभव होता है। कौल ने इस तर्क

से सहमति जाहिर की। इसके साथ ही कौल ने 'संवैधानिक नैतिकता' की व्याख्या पर भी चिंता जताई और कहा कि इस अनावश्यक रूप से विस्तृत अर्थ देने से संवैधानिक प्रावधानों का दायरा बदल सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि गलत प्रथाओं को रोकने के लिए सार्वजनिक नैतिकता पर्याप्त आधार है।

हरियाणा-राजस्थान सीमा के पास मिले गुब्बारे, अंग्रेजी और उर्दू में लिखा- 'पीआईए'

-पुलिस ने पहुंचकर की जांच, गुब्बारे में नहीं मिली कोई संदिग्ध चीज

सिरसा (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा जिले के एक गांव में बुधवार को एक घर के बाहर सफेद और नीले रंग का गुब्बारा मिला, जिस पर अंग्रेजी और उर्दू में 'पीआईए' लिखा था। अधिकारियों ने बताया कि गुब्बारे पर पाकिस्तान के झंडे की तस्वीर थी, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। नाथूसरी चौपटा थाना प्रभारी ने बताया कि सिरसा के खेरी गांव में एक घर के बाहर हवाई जहाज जैसा दिखने वाला गुब्बारा गिरा। उन्होंने कहा कि पुलिस को सूचना मिली कि गुब्बारा एक शेड के बाहर गिरा है, जहां एक ग्रामीण अपने जानवर बांधता है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। गुब्बारे में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। अधिकारी ने बताया कि यह गांव हरियाणा-राजस्थान सीमा के पास है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के एक गांव के पास भी बुधवार को सफेद और नीले रंग का गुब्बारा मिला था, जिस पर अंग्रेजी में 'पीआईए' लिखा था और पाकिस्तान के झंडे की तस्वीर थी। भटियात तहसील की नगाली पंचायत के शुकड़ाह गांव में संदिग्ध गुब्बारा मिलने से हड़कंप मच गया है। नागली ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान ने गुब्बारा देखने के बाद खैरी थाने को सूचना दी। इसके बाद डलहौजी के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने गुब्बारे को मालखाने में सुरक्षित रखवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले इसी इलाके में ऐसा ही एक गुब्बारा मिला था। इससे पहले, बिलासपुर और कांगड़ा में ऐसे गुब्बारे मिल चुके हैं।

गुजरात के निकाय चुनाव में भाजपा की जीत का भरोसा: मनसुख मांडविया का बड़ा बयान

'डबल इंजन सरकार पर जनता का विश्वास बढ़ा, सभी स्थानीय निकायों में भाजपा की जीत तय'

सूरत (एजेंसी)। स्थानीय निकाय चुनावों के बीच सूरत के उद्योगपतियों के साथ आयोजित एक अहम बैठक में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने भाजपा की जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि सूरत महानगरपालिका सहित पूरे गुजरात में होने वाले आगामी नगर पालिका, तालुका पंचायत और जिला पंचायत चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की मजबूत जीत होगी। मनसुख मांडविया ने कहा कि पिछले दो दिनों से वे सूरत में चुनाव प्रचार के दौरान लगातार लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान जनता का रुझान स्पष्ट रूप से भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि लोगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व वाली ÷डबल इंजन सरकार÷ के प्रति गहरा विश्वास है, क्योंकि यह सरकार जनकल्याण और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सूरत के युवाओं में स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप की नई लहर देखने को मिल रही है। कई युवा नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। खास बात यह है कि ये युवा सरकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से लाभ उठाकर अपने छोटे-बड़े उद्यम खड़े कर रहे हैं। यह गुजरात के विकास मॉडल की सफलता को दर्शाता है।

मांडविया ने आगे कहा कि सरकार ने आम जनता पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए एक्साइज ड्यूटी में कटौती जैसे कदम उठाए हैं। इससे लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सूरत नगर निगम क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे गुजरात में भाजपा के प्रति जनता का समर्थन लगातार बढ़ रहा है। उनके अनुसार, उद्योग जगत, व्यापारी वर्ग और युवा सभी वर्गों में सरकार की नीतियों को लेकर सकारात्मक माहौल है। बैठक में उद्योगपतियों ने भी सरकार की नीतियों और विकास कार्यों पर चर्चा की। मंडाविया ने कहा कि सरकार और जनता के बीच बढ़ता भरोसा ही भाजपा की जीत की सबसे बड़ी ताकत है। अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी स्थानीय स्वराज्य चुनावों में भाजपा सभी नगर पालिकाओं, तालुका पंचायतों और जिला पंचायतों में ऐतिहासिक सफलता हासिल करेगी।

कमजोर मानसून और अलनीनो का प्रभाव... जल संकट से निपटने को तैयार हुई महाराष्ट्र सरकार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद स्थिति की कमान संभालकर जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में संभावित कमजोर मानसून और अल नीनो के खतरे को देखकर राज्य सरकार सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद स्थिति की कमान संभालकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जल प्रबंधन को प्राथमिकता दें और अगस्त 2026 तक पीने के पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अल नीनो के प्रभाव से वर्षा में कमी आ सकती है, जिससे राज्य में जल संकट गहराने की आशंका है।

महाराष्ट्र राज्य के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर ने कैबिनेट बैठक में जलाशयों के मौजूदा स्तर और संभावित जोखिमों की जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 तक महाराष्ट्र के बांधों में 653.63 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी उपलब्ध है, जो बीते वर्ष के मुकाबले अधिक है। हालांकि, यदि मानसून कमजोर रहता है, तब यह स्थिति जल्दी बिगड़ सकती है। पहले भी अल नीनो वाले वर्षों में जल स्तर में भारी गिरावट दर्ज की गई है–2014 में 12 प्रतिशत और 2015 में लगभग 14 प्रतिशत तक कमी आई थी, जिससे

राज्य के अंदर व्यापक जल संकट पैदा हुआ था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अभी से पानी बचाने की आदत अपनाएं। उन्होंने जल संरक्षण परियोजनाओं को तेज करने, जल प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने और पारंपरिक जल स्रोतों जैसे कुएं, बावड़ी और तालाबों को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को भी मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। इस समीक्षा बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस क्रम में राज्य सरकार ने ÷जल प्रबंधन कार्य पखवाड़ा÷ अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य आम जनता की भागीदारी से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना है। इसके तहत 'गोदा से नर्मदा' और 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर जल-यात्रा 2026' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने बताया कि इस पहल का मकसद जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा देना है। यह जल यात्रा तीन मुख्य स्तंभों विचार, विरासत और विकास से जुड़ी है। इसका उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण के महत्व से जोड़ना और ऐतिहासिक विरासत से प्रेरणा लेकर आधुनिक समाधान विकसित करना है। अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती के मौके पर शुरू की गई यह पहल उनके जनकल्याणकारी और दूरदर्शी शासन से प्रेरित है, जिसमें मंदिरों, घाटों और जल संरचनाओं के निर्माण को विशेष महत्व दिया गया था। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र सरकार संभावित जल संकट को गंभीरता से लेकर पहले से ही ठोस कदम उठा रही है। यदि समय रहते जल संरक्षण और प्रबंधन के उपाय प्रभावी ढंग से लागू किए गए, तब लाखों लोगों को भविष्य में पानी की कमी से बचाया जा सकता है।

पीएम मोदी के बॉस कहने पर नितिन नवीन की प्रतिक्रिया... यह बात पार्टी की संस्कृति को दिखाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें 'बॉस' कहने पर पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बात उनकी पार्टी की संस्कृति को दिखाती है। एक विशेष इंटरव्यू में नितिन नवीन से जब पीएम मोदी की इस टिप्पणी के बारे में पूछा गया तब उन्होंने बेबाकी से जवाब देकर कहा कि यही हमारी पार्टी की खूबसूरती है। उन्होंने कहा कि इसतरह के संबोधन आपसी सम्मान और संगठनात्मक भाईचारे से आते हैं, न कि सख्त सत्ता संरचना से आते है।

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नितिन नवीन को बधाई देकर उनके लिए 'बॉस' शब्द का इस्तेमाल किया था। यह इशारा पार्टी की अनुशासित संरचना के बीच अनौपचारिक और प्रतीकात्मक भाव के रूप में देखा गया। पीएम मोदी ने कहा था कि मैं एक कार्यकर्ता हूं और नितिन नवीन अब मेरे बॉस हैं। मैं नवीन को भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं, जो दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। मैं सभी पूर्व अध्यक्षों का भी पार्टी को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं।

बात दें कि वरिष्ठ बीजेपी नेता नितिन नवीन को जनवरी में पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। 45 वर्षीय नवीन की नियुक्ति को पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और पीढ़ीगत बदलाव की दिशा में संकेत के रूप में देखा गया, खासकर इस साल होने वाले महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले, 45 साल की उम्र में नितिन नवीन बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं और वे पार्टी के 12वें अध्यक्ष हैं। नवीन का संबंध राजनीतिक परिवार से है। वे बिहार के वरिष्ठ बीजेपी नेता और चार बार विधायक रहे नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे हैं। 2006 में पिता के निधन के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा और पटना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव जीतकर विधायक बने। समय के साथ उन्होंने पार्टी के भीतर अपनी राजनीतिक पहचान मजबूत की। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में वे सड़क निर्माण और शहरी विकास जैसे अहम विभागों के मंत्री भी रहे, हालांकि बाद में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी

एनएचआरसी का ने उठाया बड़ा कदम, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। निजी स्कूलों में महंगी किताबों के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है। प्राइवेट स्कूलों में पेरेंट्स पर महंगी किताबों को खरीदने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और कई जगहों पर अभिभावक इसका विरोध भी जता रहे हैं, हालांकि अब इस मसले पर एनएचआरसी ने बड़ा कदम उठाया है। प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। आयोग ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई नमो फाउंडेशन की शिकायत के आधार पर हुई है, जिसमें निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए छात्रों और अभिभावकों पर दबाव डालने का आरोप है।

आयोग ने राज्यों को राष्ट्रीय स्कूल बैग नीति और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पालन पर रिपोर्ट देने को कहा है, साथ ही एससीईआरटी और एनसीईआरटी की किताबों के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने साफ कहा है कि सरकारी और निजी स्कूलों में अलग-अलग किताबें लागू करना 'अकादमिक भेदभाव' हो सकता है। अब इस मामले में शिक्षा मंत्रालय के जवाब का इंतजार है।

बता दें स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर हरियाणा का अभिभावक एकता मंच भी पिछले कई सालों से आवाज उठा रहा है और इसका विरोध कर रहा है। मंच की मानें तो स्कूलों में छोटी-छोटी कक्षाओं में 4-4 हजार रुपए के किताबों के सेट लगाए हुए हैं। स्कूल हर साल पाठ्यक्रम की किताबों में कुछ न कुछ हल्का फेरबदल भी कर देते हैं ताकि पेरेंट्स पुरानी किताबों का इस्तेमाल न कर सकें और उन्हें नई किताबें ही खरीदनी पड़ें। इससे पेरेंट्स के ऊपर हर साल बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

तमिलनाडु चुनाव: अब सीधा मुक़ाबला नहीं यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन गया

–एक्टर विजय की एंट्री ने दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल दी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक युगांतरकारी मोड़ के रूप में दर्ज होने जा रहा है। यह चुनाव केवल सत्ता के परिवर्तन का संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पांच दशक पुराने राजनीतिक ढांचे के ढहने का संकेत है जिसमें केवल दो द्रविड़ दिग्गजों डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी टीवीके के प्रवेश ने एक स्थिर दो-ध्रुवीय व्यवस्था को एक अस्थिर और रोमांचक त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। पिछले 50 से ज्यादा सालों से तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ियन विचारधारा, सामाजिक न्याय और लोक-कल्याणकारी नीतियों की धुरी पर घूमती रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी सांगठनिक शक्ति का लोहा मनवाया। प्रशासनिक स्थिरता और द्रविड़ मॉडल के नैरेटिव ने उन्हें अल्पसंख्यकों और शहरी मध्यम वर्ग के बीच मजबूत बनाए रखा है। जय जयललिता के निधन के बाद भी एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके ने अपना वोट बैंक काफी हद तक बचाए रखा है। विपक्ष के रूप में यह पार्टी सत्ता-विरोधी लहर को भुनाने की कोशिश करती रही है।

अब तक छोटी पार्टियां या तो इन दो दिग्गजों के साथ गठबंधन में समा जाती थीं या हाशिए पर रहती थीं, लेकिन विजय ने इस परिपाटी को चुनौती दी है। राजनीति में विजय के कदम रखने से, अब यह दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल गई है। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक, विजय ने अपनी ज़बरदस्त लोकप्रियता को एक राजनीतिक मंच में बदल दिया है, जिसका मकसद इन दोनों ही द्रविड़ियन पार्टियों को चुनौती देना है। टीवीके ने भ्रष्टाचार-विरोध, शासन-सुधार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को आधार बनाकर, बहुत तेज़ी से युवाओं के बीच अपना समर्थन-आधार तैयार किया है, साथ ही, पार्टी ने ज़मीनी स्तर पर अपने विस्तार पर भी काफी ज़ोर दिया है, जिसमें बूथ-स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना भी शामिल है।

सबसे अहम बात यह है कि टीवीके की रणनीति विजय की निजी लोकप्रियता से कहीं आगे तक जाती है। पार्टी ने इस चुनाव को एक पीढ़ीगत बदलाव के तौर पर पेश किया है, जिसमें युवाओं को नौकरी, इंटर्नशिप और आर्थिक मदद का वादा करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है। यह तरीका ऐसे राज्य में बहुत मायने रखता है, जहां युवाओं की आबादी बहुत ज़्यादा है करीब 12.5 लाख पहली बार वोट देने वाले और 40 साल से कम उम्र के करीब 2.5 करोड़ वोटर हैं। विजय ने महिला वोटरों को लुभाने के लिए भी ज़ोरदार कोशिश की है। ये वोटर कुल वोटरों का करीब 51 फ़ीसदी हिस्सा हैं। टीवीके ने कई चुनावी वादे किए हैं। ये वादे एक रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं, खासकर तब जब पार्टी के अंदर पहले डीएमके सरकार की महिलाओं के लिए 1,000 रुपये की मदद जैसी कल्याणकारी योजनाओं की आलोचना की गई थी।

टीवीके के ज़्यादातर अकेले चुनाव लड़ने के फ़ैसले ने समीकरणों को उलझा दिया है, जिससे डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को ही अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करने पर मजबूर होना पड़ा है। एआईएडीएमके ने इस चुनाव को डीएमके के साथ सीधी लड़ाई के तौर पर पेश करने की कोशिश की है, ताकि सत्ता-विरोधी वोटों का बंटवारा न हो, वहीं, डीएमके युवाओं के वोट छिटकने के जोखिम के बावजूद अपने मुख्य वोट बैंक को बचाए रखने के लिए अपने शासन के कामकाज और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण पर ही ज़्यादा ज़ोर दे रही है। ज़मीनी स्तर पर, इस चुनाव का तीन-तरफ़ा स्वरूप दक्षिणी ज़िलों जैसे कन्याकुमारी, थूथुकुडी और तिरुनेलवेली में और साथ ही चेन्नई जैसे शहरी केंद्रों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। इन जगहों पर टीवीके की मौजूदगी ने वोट देने के पारंपरिक तरीकों और जीत-हार के अंतर को बदल दिया है।

तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव अब कोई सीधा-सादा मुक़ाबला नहीं रह गया है, बल्कि यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन चुका है। डीएमके, एआईएडीएमके और टीवीके के बीच चल रही इस त्रिकोणीय जंग

में, भले ही यह नई पार्टी सीधे तौर पर विजेता बनकर न उभरे, लेकिन चुनाव परिणामों को तय करने में इसकी भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है। सर्वेक्षण बताते हैं कि जहां 40 फीसदी मतदाता अभी भी इस चुनाव को डीएमके बनाम एआईएडीएमके की पारंपरिक जंग मानते हैं, वहीं 20 फीसदी लोग विजय को एक वास्तविक और मजबूत विकल्प के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। भले ही विजय सीधे तौर पर सत्ता तक न पहुंचें, लेकिन उनकी पार्टी किंगमेकर बनकर उभरेगी और भविष्य के गठबंधनों की दिशा तय करेगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)